mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-228 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
18 अगस्त 2024 रविवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

पेरिस ओलंपिक 2024...
@ पेज 7

लखनऊ एयरपोर्ट पर रेडियोएक्टिव हो गया लीक, 2 कर्मचारी बेहोश

● 1.5 किमी का एरिया खाली कराया, टर्मिनल-3 एनडीआरएफ और एसडीआरएफ को सौंपा

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह (अमौसी) एयरपोर्ट पर रेडियोएक्टिव लीक हुआ। इससे 2 कर्मचारी बेहोश हो गए। एनडीआएफ और एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। टीम ने टर्मिनल-3 पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। 1.5 किमी का एरिया खाली कराया। एहतियात के तौर पर लोगों की एंट्री बंद कर दी। 1 घंटे तक जांच-पड़ताल की गई। अब स्थिति सामान्य है। एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन प्रभावित नहीं है। फ्लाइट लखनऊ से गुवाहाटी जा रही थी। उसी दौरान एयरपोर्ट टर्मिनल-3 पर स्कैनिंग के दौरान मशीन से बीप की आवाज आने लगी।

रहस्य बन रहा कोलकाता का डॉक्टर रेप मर्डर केस!

● हमला करने कहां से आए थे 7000 गुंडे, नहीं चल पाया पता ● आरोपियों की लिस्ट में कैब ड्राइवर,डिलीवरी बॉय का भी नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में 8 अगस्त की रात जो कुछ हुआ, वो बेहद शर्मनाक है। एक जूनियर डॉक्टर के साथ पहले दुष्कर्म हुआ और इसके बाद गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई। इस घटना के विरोध में देशभर के डॉक्टर सड़कों पर हैं लेकिन, इससे भी ज्यादा शर्मनाक घटना, 14 अगस्त की रात उस वक्त हुई, जब आरजी कर मेडिकल कॉलेज के बाहर डॉक्टर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। विरोध जता रहे इन डॉक्टरों पर एक भीड़ ने हमला किया। ये भीड़ मामूली नहीं थी। इस भीड़ में करीब सात हजार लोग शामिल थे।

अब सवाल ये है कि डॉक्टरों पर हमला करने के लिए आखिर इतनी बड़ी संख्या में ये गुंडे कहां से आए थे। कोलकाता डॉक्टर मर्डर केस की तफ्तीश में ऐसे कई सवाल हैं, जो अभी तक रहस्य बने हुए हैं। वहीं, इस मामले में कोलकाता पुलिस ने लिस्ट बनाई है, उनके नाम भी चौंकाने वाले हैं। पुलिस की इस लिस्ट में एक महिला सहित 25 लोगों के नाम हैं। पुलिस ने कई युवकों को गिरफ्तार किया है। इनमें ऐप-कैब ड्राइवर, दुकानदार, फूड डिलीवरी बॉय और कई बेरोजगार युवा शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

गगनयान मिशन की पहली टेस्ट फ्लाइट दिसंबर में

● इसरो बोला-जी1 रॉकेट के हार्डवेयर श्रीहरिकोटा पहुंचे

बेंगलुरु (एजेंसी)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) अपने पहले मानव अंतरिक्ष मिशन की पहली टेस्ट फ्लाइट इस साल दिसंबर में लॉन्च करेगा। इसमें इंसान को नहीं भेजा जाएगा। मिशन की दूसरी फ्लाइट में रोबोट व्योम मित्र और तीसरी उड़ान में चार अंतरिक्ष यात्रियों को भेजा जाएगा। इसरो ने अभी दूसरी और तीसरी उड़ान का समय नहीं बताया है। इसरो चेयरमैन एस. सोमनाथ ने बताया- मिशन के रॉकेट के हार्डवेयर श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर पहुंच चुके हैं। वहीं त्रिवेंद्रम के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में क्रू-मॉड्यूल पर काम जारी है। उम्मीद है कि नवंबर तक यह काम पूरा हो जाएगा। गगनयान का मानव मिशन 3 दिनों

रक्षाबंधन के दिन आसमान में दिखेगा सुपर ब्लूमून

● इस दिन नीला हो जाएगा चंद्रमा,होगी अनोखी खगोलीय घटना

वॉशिंगटन (एजेंसी)। खगोलीय घटनाओं में दिलचस्पी रखे वालों के लिए एक बेहद खास मौका आने वाला है। इस साल हमें चार सुपरमून दिखाई देंगे। उनमें से पहला हमें रक्षाबंधन के त्योहार के मौके पर दिखाई देगा। 19 अगस्त को दिखाई देने वाला यह चंद्रमा ब्लू मून भी होगा। सवाल उठता है कि आखिर ये चंद्रमा खास क्यों होगा और क्या नाम की ही तरह यह हमें नीला दिखाई देगा। चंद्रमा धरती का चक्कर लगाने के साथ ही धरती के नजदीक और दूर भी होता रहता है।

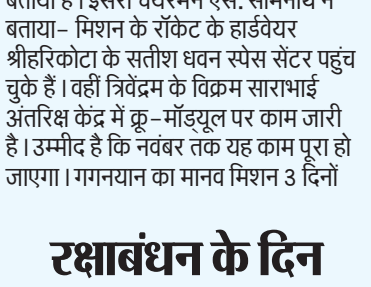

सुपरमून तब होता है जब चंद्रमा पृथ्वी के 90 फीसदी से ज्यादा करीब होता है। सुपरमून शब्द का आविष्कार खगोलशास्त्री रिचर्ड नोले ने 1979 में किया था। पूर्ण सुपरमून को साल का सबसे चमकीला और सबसे बड़ा पूर्ण चंद्रमा माना जाता है। सामान्य चंद्रमा की तुलना में लगभग 30 फीसदी से ज्यादा यह चमकीला होता है और 14 फीसदी बड़ा दिखाई देता है। वहीं दूसरी तरफ ब्लू मून दो तरह के होते हैं और इनका नीले रंग से कोई लेना-देना नहीं होता। पहला ब्लू मून मौसमी होता है।

हमने जी20 को एक नया ढांचा देने का संकल्प लिया

पीएम बोले-हमने विकास से जुड़ी समस्याओं पर खुलकर चर्चा की

मोदी ने कहा-दुनिया की चुनौतियों से निपटने में भारत बना बड़ा पॉवर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में कहा कि कोविड के बाद दुनिया अनिश्चितता से जूझ रही है और आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना कर रही है, ऐसे में पिछले दशक में स्थापित वैश्विक शासन और वित्तीय संस्थान आज के मुद्दों से निपटने में कम पड़ गए हैं। भारत वर्चुअल प्रारूप में वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट की मेजबानी कर रहा है, जिसमें वैश्विक दक्षिण के देशों को एक मंच पर विभिन्न मुद्दों पर अपने दृष्टिकोण और प्राथमिकताओं को साझा करने के लिए एक साथ लाने की परिकल्पना की गई है। शिखर सम्मेलन में अपने उद्घाटन भाषण में पीएम मोदी ने कहा, 2022 में जब भारत ने जी20 की अध्यक्षता संभाली, तो हमने जी20 को एक नया ढांचा देने का संकल्प लिया। वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट एक ऐसा मंच बन गया, जहां हमने विकास से जुड़ी समस्याओं और प्राथमिकताओं पर खुलकर चर्चा की, और भारत ने ग्लोबल साउथ की उम्मीदों, आकांक्षाओं और प्राथमिकताओं के आधार पर जी20 एजेंडा तैयार किया। पीएम ने कहा, हमने समावेशी और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण के साथ जी20 को आगे बढ़ाया। इसका सबसे बड़ा उदाहरण वह ऐतिहासिक क्षण था जब अफ्रीकी संघ को जी20 की स्थायी सदस्यता मिली। प्रधानमंत्री मोदी ने संघर्षों और अन्य चिंताओं के बीच मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में अनिश्चितता पर प्रकाश डाला और कहा कि वैश्विक शासन और वित्तीय संस्थान आज की चुनौतियों से निपटने में अक्षम रहे हैं। उन्होंने कहा, आज हम ऐसे समय में मिल रहे हैं, जब पूरी दुनिया में अनिश्चितता का माहौल है। दुनिया कोविड के प्रभाव से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाई है।

कर्नाटक सीएम के खिलाफ भ्रष्टाचार मामले में चलेगा केस

राज्यपाल ने मंजूरी दी

● सिद्धारमैया पर जमीन के मुआवजे के लिए फर्जी डॉक्यूमेंट्स लगाने का आरोप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ जमीन से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में केस चलेगा। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शनिवार को इसकी आधिकारिक अनुमति दे दी है। सिद्धारमैया पर मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण की जमीन के मुआवजे लिए फर्जी दस्तावेज लगाने का आरोप है। 26 जुलाई को राज्यपाल ने नोटिस जारी कर प्राधिकरण से 7 दिन में जवाब मांगा था। 1 अगस्त को कर्नाटक सरकार ने राज्यपाल को नोटिस वापस लेने की सलाह दी और उन पर संवैधानिक शक्तियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। प्राधिकरण घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, पत्नी, साले और कुछ अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की गई है। एक्टिविस्ट टीजे अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा का आरोप है कि सीएम ने प्राधिकरण अधिकारियों के साथ मिलकर महंगी साइट्स को धोखाधड़ी से हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेज लगाए। साल 1992 में मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने कुछ जमीन रिहायशी इलाके में विकसित करने के लिए किसानों से ली थी। इसके बदले प्राधिकरण की इंसेंटिव 50-50 स्कीम के तहत जिनकी भूमि अधिग्रहित होती है उन्हें विकसित भूमि में 50 फीसदी साइट या एक वैकल्पिक साइट दी गई। 1992 में प्राधिकरण ने इस जमीन को डीनोटिफाई कर कृषि भूमि से अलग किया।

इन दिनों चौतरफा हमलों में घिर रहे हैं राहुल गांधी

देश विरोधियों से मिलीभगत विदेश की नागरिकता के लग रहे आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर चल रहे विवाद के बीच बीजेपी उन्हें चौतरफा घेरने की तैयारी कर रही है। बीजेपी नेता सुब्रमण्यन स्वामी ने उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। वहीं अब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट से चाहते हैं कि वो भारत विरोधी नैरेटिव को हवा दें। इसके अलावा पीएम मोदी ने भी स्वतंत्रता दिवस भाषण पर बिना नाम लिए राहुल समेत पूरे विपक्ष पर निशाना साधा। इसके साथ ही एक मीडिया रिपोर्ट में राहुल पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं एक बांग्लादेशी पत्रकार ने उन पर आरोप लगाया है कि बांग्लादेश हिंसा से कुछ महीने पहले उन्होंने लंदन में खालिदा जिया के बेटे से मुलाकात की थी। राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने चिंता जताई की कि संवैधानिक पद पर बैठा एक व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने के लिए कह रहा है ताकि हमारी अर्थव्यवस्था को नष्ट करने के उद्देश्य वाले विमर्श को हवा दी जा सके। धनखड़ की यह टिप्पणी सेबी अध्यक्ष माधवी बुच के खिलाफ आरोपों को लेकर आलोचना के बाद आई है।

राजेश सिंह नए रक्षा सचिव, पुण्य सलिला स्वास्थ्य सचिव बनीं

● केंद्रीय कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमेटी ने 15 अफसरों के विभाग बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीनियर आईएएस अफसर राजेश कुमार सिंह नए रक्षा सचिव होंगे। वे मौजूदा रक्षा सचिव अरमानी गिरधर की जगह लेंगे, जो 31 अक्टूबर को रिटायर हो रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव को स्वास्थ्य व परिवार कल्याण सचिव नियुक्त किया गया है। केंद्रीय कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमेटी ने शुक्रवार (16 अगस्त) को सेक्रेटरी लेवल के अफसरों के विभाग बदले हैं। प्रेस रिलीज के जरिए 15 से ज्यादा अफसरों की नई नियुक्ति की जानकारी दी गई है। राजेश सिंह केरल कैडर के 1989 बैच के अधिकारी है। वे केंद्र सरकार में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, कृषि समेत कई अन्य विभागों में महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। राजेश अभी डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड के सचिव हैं। उन्हें रक्षा मंत्रालय में ओएसडी के रूप में नियुक्त किया गया है। राजेश सिंह की सर्विस 31 अक्टूबर, 2026 तक है।

भागलपुर में अगवानी पुल का सुपर स्ट्रक्चर फिर गिरा

3 साल में तीसरा हादसा,बिहार में 2 साल में गिरे छोटे-बड़े 21 पुल

भागलपुर (एजेंसी)। भागलपुर में शनिवार सुबह सुल्तानगंज अगवानी गंगा पुल के पिलर 9 का सुपर स्ट्रक्चर गिर गया। गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण ये घटना घटी है। पिलर संख्या 9 और 10 के बीच का स्लैब के सेगमेंट के लिए बना स्ट्रक्चर नदी में समा गया। ये तीसरी बार है, जब इस पुल का सुपर स्ट्रक्चर गिरा है। सुपर स्ट्रक्चर गिरने का वीडियो भी सामने आया है। इस हादसे में किसे के हताहत होने की सूचना नहीं है। बिहार में पिछले 2 साल में 21 पुल गिरे हैं। इनमें 15 से ज्यादा छोटे और पुराने पुल भी हैं। बीते साल 4 जून 2023 को अगवानी की तरफ से पिलर संख्या 9,10, 11, 12 का सुपर स्ट्रक्चर गिर कर गंगा में समा गया था। इससे पहले 30 अप्रैल 2022 के रात में हवा के झोंके से पिलर संख्या पांच गिरा था।

प्रोजेक्ट पूरा होने पर झारखंड से जुड़ जाएगा उत्तर बिहार

ये पुल अगुवानी और सुल्तानगंज घाट (भागलपुर जिला) के बीच बन रहा है जो बरौनी खगड़िया ह॥ 31 और दक्षिण बिहार के मोकामा, लखीसराय, भागलपुर, मिर्जाचौकी एनएच 80 को जोड़ेगा। प्रोजेक्ट पूरा होने पर बिहार के खगड़िया की ओर से 16 किलोमीटर और सुल्तानगंज की ओर से चार किलोमीटर लंबी एप्रोच रोड के जरिए उत्तर बिहार सीधे मिर्जा चौकी के रास्ते झारखंड से जुड़ जाएगा। पुल बनने से खगड़िया से भागलपुर आने के लिए 90 किलोमीटर की दूरी मात्र 30 किलोमीटर रह जाएगी।

जन्माष्टमी पर बांके बिहारी मंदिर के अंदर होगी लाइव स्ट्रीमिंग

हाईकोर्ट ने 25 से 29 अगस्त तक जिला प्रशासन को सौंपी कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बांके बिहारी मंदिर में 25 से 29 अगस्त 24 तक चलने वाले जन्माष्टमी पर्व के दौरान कानून व्यवस्था की जवाबदेही जिला प्रशासन को सौंपी है। कोर्ट ने राज्य सरकार की भीड़ नियंत्रण योजना के तहत लाइव स्ट्रीमिंग की व्यवस्था को मंदिर के भीतर तक ही सीमित रखने का आदेश दिया है। कोर्ट ने सरकार की शेष योजना को जारी रखने की अनुमति दी है। कोर्ट ने रिसीवर के जरिए 1939 से चल रही मंदिर व्यवस्था के तहत सिविल जज जूनियर डिवीजन मथुरा के परामर्श से सीसीटीवी कैमरे लगाने की छूट दी है। हाईकोर्ट ने जिलाधिकारी को आदेश दिया है कि वह सिविल जज के निर्देश का अनुपालन कराएं। 1939 के मुंसिफ के आदेश से भीड़ प्रबंधन, मंदिर प्रबंधन देख रहा है, जो रिसीवर द्वारा किया जा रहा है। हालांकि इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। कोर्ट ने कहा- अभी सरकारी योजनाओं सहित मंदिर प्रबंधन की देखरेख में जन्माष्टमी पर्व के इंतजाम किए जाएंगे। याचिका की अगली सुनवाई 28 अगस्त को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा तथा न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र की खंडपीठ ने अनंत शर्मा व एक अन्य की जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए दिया। कोर्ट ने 8 नवंबर 23 को सरकार को भीड़ प्रबंधन को लेकर कुछ निर्देश जारी किए थे।

इनका पालन नहीं किया जा सका। अब सरकार ने अर्जी देकर निर्देशों में संशोधन की मांग की गई है। लोगों ने सरकार की मांग पर आपत्ति की और कहा भीड़ नियंत्रण कोर्ट के आदेश से नहीं हो सकता। सरकार ने हलफनामा दायर कर कहा जन्माष्टमी पर्व पर उचित इंतजाम किया जाएगा। मंदिर के अंदर व बाहर लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। विभिन्न स्थानों पर बाहर स्क्रीन लगाई जाएगी। साथ ही भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग की जाएगी। एक समय में एक निश्चित संख्या मंदिर में प्रवेश करेगी। जिला प्रशासन बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की देखभाल व्यवस्था करेगा।

विद्युत चोरी के 400 प्रकरण दर्ज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर प्रकरण दर्ज कर 4 लाख रुपये से अधिक की वसूली की गई है। कंपनी ने बताया कि विजिलेंस बिलिंग पोर्टल पर पारितोषिक योजना में सूचनाकर्ता द्वारा विद्युत चोरी एवं अन्य अनियमितताओं से संबंधित गोपनीय सूचना दिये जाने की ऑनलाईन व्यवस्था की गयी है। अब ऑनलाइन पोर्टल के इन्फार्मर सेक्शन में विद्युत की चोरी तथा अनियमितता की सूचना किसी व्यक्ति अथवा उपभोक्ता के द्वारा दी जा सकती है। इसके लिए सूचना दिये जाने के उपरांत की गई जांच में पायी गयी चोरी अथवा अनियमितता के आधार पर बिल की गयी राशि के पूर्ण भुगतान प्राप्त हो जाने पर संबंधित सूचनाकर्ता एवं संबंधित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को पारितोषिक दिया जाता है। कंपनी ने बताया कि योजना के तहत प्रोत्साहन राशि के भुगतान हेतु कंपनी के पोर्टल पर माह जुलाई 2024 तक की स्थिति में कुल 400 प्रकरण दर्ज हुए हैं, जिसमें से जांच उपरांत 134 प्रकरणों में विद्युत चोरी या अन्य अनियमितता पाई गई है। इनके मौके पर पहुंचकर पंचनामें बनाये गये हैं। विजिलेंस टीम द्वारा कुल. 22 लाख 11 हजार रुपये की बिलिंग कर, 4 लाख 3 हजार की वसूली की गयी है।

स्मार्ट मीटर परियोजना का विस्तार किया जाएगा - एसीएस ऊर्जा श्री श्रीवास्तव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव ने शुक्रवार को इंदौर में पोलोग्राउंड स्थित मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के स्मार्ट मीटर कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण किया और बिंदुवार जानकारी ली। श्री श्रीवास्तव ने स्मार्ट मीटर परियोजना संबंधी संचार तंत्र, ऑटोमेटेड रीडिंग, मीटर डाटा मैनेजमेंट, लाइन लॉस में कमी, उपभोक्ता सुविधाओं में बढ़ोत्तरी में स्मार्ट मीटर की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। अपर मुख्य सचिव ने अब तक पश्चिम क्षेत्र कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर परियोजना के विभिन्न चरणों के कार्यों को सराहा और टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का विस्तार किया जाएगा। श्री श्रीवास्तव ने पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा लागू स्मार्ट मीटर परियोजना की सफलता और अब तक मिली सराहना, पुरस्कार इत्यादि के बारे में भी जानकारी ली। मप्र की दो अन्य कंपनी मध्य क्षेत्र कंपनी भोपाल और पूर्व क्षेत्र कंपनी जबलपुर को इंदौर की स्मार्ट मीटर सीख से रूबरू कराया जाएगा। इस अवसर पर पश्चिम क्षेत्र कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया कि अब तक 7 लाख 17 हजार स्मार्ट मीटर लग चुके हैं। श्री तोमर ने बताया कि दो शहर महू और खरगोन पूरी तरह स्मार्ट मीटरीकृत हैं, दो अन्य शहर कुछ दिनों बाद शत प्रतिशत स्मार्ट मीटरीकृत हो जाएंगे। हमारी टीम पूरे मनोयोग और समर्पण से शासन के इस महत्वपूर्ण कार्य में जुटी हुई हैं।

जेलों में सुधार, विकास, बंदियों की सुरक्षा एवं कल्याण के लिये राज्य स्तरीय समिति गठित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन द्वारा जेलों में सुधार, जेलों के विकास, बंदियों और जेलकर्मियों की सुरक्षा तथा प्रभावी पारदर्शी, जनोन्मुखी प्रशासन एवं विनिमयन के लिये राज्य स्तरीय समिति गठित की गई है। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल राज्य स्तरीय समिति के अध्यक्ष नियुक्त किये गये हैं। प्रमुख सचिव जेल समिति में सदस्य बनाये गये हैं। महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाएँ इस समिति के सदस्य सचिव होंगे। राज्य शासन द्वारा नामित समाज सेवी/ सेवानिवृत्त अधिकारी/ विशेष-विशेषज्ञ समिति के सदस्य होंगे। यह समिति प्रदेश की जेलों के संबंध में विभिन्न विषयों पर राज्य शासन को अनुशंसाएँ करेगी। राज्य स्तरीय समिति जेलों में अधोसंरचना/सुविधाओं का विकास एवं बुनियादी ढाँचे में सुधार के उद्देश्य से पुनर्संरचना, जेलों में मूलभूत सुविधाएं/सेवाओं व व्यवस्थाओं के विकास, जेलों के आधुनिकीकरण तथा बंदियों की सुरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जेलों में आधुनिक सुरक्षा प्रबंधन, जेलों की व्यवस्था एवं सुविधाओं में आवश्यक अपेक्षित सुधार, जेलों की प्रशासनिक एवं सुरक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण, प्रभावी पारदर्शी एवं उत्तरदायी जेल प्रशासन एवं विनियमन पर अनुशंसा देगी। समिति जेलों में सुधारात्मक सेवाएं, जेलों में अति संकुलता दूर करने के लिये बंदी आवास क्षमता (बैरकों) में वृद्धि एवं जेल कर्मचारियों की व्यावसायिक निपुणता में सुधार पर अपनी अनुशंसा राज्य शासन को देगी। यह समिति जेलों में आधुनिक तकनीक एवं सूचना संचार तकनीक का प्रभावी उपयोग, समग्र शिकायत एवं सुझाव निवारण प्रणाली, अधिकारी/कर्मचारी कल्याण, उनके प्रभावी प्रशिक्षण, आवास, बुनियादी सुविधायें एवं उनकी सेवा दशा, बंदियों की शिक्षा उन्नयन तथा उनके सामाजिक पुर्नस्थापन के लिये आजीविकामूलक एवं कौशल आधारित औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण पर शासन को अनुशंसा करेगी। राज्य स्तरीय समिति सघन आबादी वाले/व्यवसायिक महत्व की भूमि पर स्थित जेलों का स्थानांतरण एवं नये जेलों के निर्माण, बंदियों के तनाव प्रबंधन एवं उनके तनाव को दूर करने के लिये प्रशिक्षण/सलाह, सांस्कृतिक/आध्यात्मिक तथा नैतिक शिक्षा देकर उनकी आपराधिक मनोवृत्ति में सुधारात्मक परिवर्तन एवं राज्य शासन द्वारा जेलों में सुधार, सुरक्षा, प्रशासन, विकास, विनियमन के संबंध समिति को दिये गये।

पुलिस का व्यवहार और दृष्टिकोण जनता के प्रति रहे संवेदनशील - राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि जनता की सेवा में पुलिस का व्यवहार और दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है। पुलिस का व्यवहार जनता के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। पुलिस का संवेदनशील व्यवहार जनता के मन में पुलिस के प्रति सम्मान को बढ़ाता है साथ ही पुलिस की छवि को जन हितैषी बनाता है। राज्यपाल श्री पटेल राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित अधिकारी-कर्मचरियों से भेंट कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने मध्यप्रदेश पुलिस, जेल और होम गार्ड के पदक प्राप्तकर्ताओं एवं उनके परिजनों को बधाई व शुभकामनाएं दीं। इस वर्ष प्रदेश पुलिस के कुल 69 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित हुए हैं। यह सम्मान वीरता, विशिष्ट सेवा और सराहनीय सेवा के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम राजभवन के सांदपनि सभागार में आयोजित हुआ। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस ने कानून एवं व्यवस्था के उत्तरदायित्वों के साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय कार्य किया है। पुलिस ने एक पेड़-माँ के नाम अभियान में एक दिन में सवा लाख पौधे लगाए हैं।

राज्यपाल श्री पटेल ने मध्यप्रदेश पुलिस बल को इस सफलता के लिए बधाई दीं। उन्होंने प्रदेश पुलिस से आह्वान भी किया कि रोपे गए पौधों की भविष्य में देख-भाल की जिम्मेदारी भी तत्परतापूर्वक निभाएं। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में सायबर अपराधों की प्रकृति बदली है। सायबर अपराधों का शिकार अधिकांशत: बच्चे, महिलाएं, ग्रामीण और वंचित वर्ग के लोग हो रहे हैं।पुलिस को सायबर जागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना होगा। पुलिस को तकनीकी और कानूनी रूप से दक्ष होकर, संवेदनशील विवेचना कर, सायबर अपराधियों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश पुलिस का हर अधिकारी-कर्मचारी अपने कर्तव्यों का संपूर्ण निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ पालन करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सक्रिय पुलिस सशक्त और स्वस्थ समाज का आधार होती है। समाज के विकास के लिए सुरक्षा जरूरी है, सुरक्षा के लिए पुलिस जरूरी है। पुलिस को समय के अनुसार स्वयं को अपडेट रखना होगा। अब रिएक्टिव पुलिसिंग से प्रिडिक्टिव पुलिसिंग की जरूरत है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विगत 6 माह में पुलिस द्वारा नक्सल गतिविधियों पर कड़ाई के साथ निरंतर कार्रवाई की गई है। 4 हार्डकोर नक्सलियों को मार कर, नक्सल गतिविधियों पर काफ़ी हद तक नियंत्रण पाया है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश पुलिस ने असामाजिक तत्वों, राष्ट्रविरोधी ताकतों का कठोरता से दमन और गौ-वंश के अवैध परिवहन रोकने की प्रभावी कार्रवाई भी की है। राज्यपाल श्री पटेल का समारोह में पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। डीजीपी श्री सक्सेना ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने पदक प्राप्तकर्ताओं, प्रदेश की कानून-व्यवस्था और पुलिस के सामाजिक सरोकारों पर आधारित कार्यों की जानकारी दी।

कॉलेजों में कैंपस चलो अभियान चलाएगी कांग्रेस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने कहा है कि केरल के वायनाड में आई बाढ़ आपदा के चलते वहां डैमेज हुए घरों को बनाने के लिए युवा कांग्रेस राशि जुटाएगी और वहां के लोगों को मकान बनाने के लिए डोनेट करेगी। इसके साथ युवा कांग्रेस एमपी में भी बाढ़ से प्रभावित हुए मकानों के सुधार कार्य के लिए मदद करेगी। इसके लिए आगामी एक महीने में ब्लाक स्तर पर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता राशि जुटाने का काम करेंगे। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय (पीसीसी) में पत्रकारों से चर्चा करते हुए मितेंद्र ने कहा कि वायनाड में 40 से 50 मकान बाढ़ के कारण डैमेज हुए हैं। इनमें से दो से तीन मकानों को बनाने का खर्च डोनेट करने के लिए युवा कांग्रेस राशि जुटाएगी। इसके साथ ही एमपी में भी पिछले दिनों आई बाढ़ से जिन जिलों में घरों को नुकसान हुआ है। वहां के लोगों को भी मकान बनाने में जुटाई गई राशि युवा कांग्रेस प्रदान करेगी। रवि परमार मध्य प्रदेश एनएसयूआई के कैंपस चलों अभियान के मीडिया विभाग के प्रभारी कैंपस चलो अभियान को मध्यप्रदेश में संचालित करने एवं मध्यप्रदेश के हर विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों के छात्रों तक इस कार्यक्रम को पहुंचाने के लिए नियुक्तियां की जा रही हैं। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन द्वारा रवि परमार को मध्य प्रदेश एनएसयूआई के कैंपस चलों अभियान के मीडिया विभाग के प्रभारी का जिम्मा सौंपा है।? परमार ने कहा कि परमार ने कहा कि मध्य प्रदेश एनएसयूआई सदैव छात्र हितों के लिए संघर्षरत है। वे इसे जिम्मेदारी को पूरा करने में जुट गए हैं।

विधायक से मिला मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ का प्रतिनिधिमंडल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ 22 अगस्त को मंत्रालय परिसर में पौधारोपण करेगा। कार्यक्रम में भोपाल दक्षिण पश्चिम के विधायक भगवान दास सबनानी को आमंत्रित करने संघ के पदाधिकारी उनके निवास पर पहुंचे। संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक ने विधायक को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर देशभर में एक वृक्ष मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी अभियान के तहत साढ़े पांच करोड़ पौधे लगाने की घोषणा की है, इसमें मंत्रालय के अधिकारी और कर्मचारी भी सहभागी बनेंगे। नायक ने बताया कि संघ ने पौधारोपण को भारतीय संस्कृति और ज्योतिष से जोड़ने का निर्णय लिया है। इसके लिए जन्म राशि के अनुसार कर्मचारी पौधों का चयन करेंगे और यजुर्वेद में पौधे लगाने के लिए दिए गए मंत्रों के साथ उनका रोपण करेंगे। सनातन संस्कृति में अलग-अलग पौधों को अलग-अलग ग्रहों का कारक माना जाता है। ये पौधे जिस ग्रह से संबंध रखते हैं, उसकी दशा में जातक को राहत देते हैं। इसलिए संघ ने कर्मचारियों से आव्हान किया है कि वे राशि और ग्रह दशा के हिसाब से पौधों का चयन करें और मंत्रालय परिसर में उन्हें रोपें। ऐसा करके मंत्रालय परिसर में नक्षत्र वाटिका के सभी पौधे लग जाएंगे। नायक ने बताया कि मंत्रालय परिसर में पौधे रोपने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग से अनुमति मांगी थी, जो मिल गई है।

उन्होंने कहा कि संघ हमेशा से ही अपनी मांगों के साथ सामाजिक सरोकारों के काम के लिए जाना जाता है। मंत्रालय सेवा में वर्ष 2019 और 2024 में आए नए कर्मचारी अपनी शासकीय सेवा की स्मृति में पौधे लगाएंगे। जैसे-जैसे उनकी वरिष्ठता बढ़ेगी, वैसे-वैसे पौधे भी बढ़ेंगे। उस पौधे के साथ उस कर्मचारी का भावनात्मक लगाव रहेगा। नायक कहते हैं कि पौधारोपण करने वाले कर्मचारियों और उनकी राशि की सूची तैयार की जा रही है और उन राशियों के लिए शुभ माने गए पौधों को एकत्र किया जा रहा है।

मप्र उच्च न्यायालय जबलपुर में ई-फाइलिंग और स्कैनिंग सेन्टर शुरू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। न्यायपालिका के डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण की दिशा में एक आगे बढ़ते हुए मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर में आज ई-फाइलिंग और स्कैनिंग सेन्टर का शुभारंभ हुआ। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा ने आज मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के माननीय न्यायाधीशों और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के बार एसोसिएशनों के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं की उपस्थिति में उच्च न्यायालय में ई-फाइलिंग और स्कैनिंग केंद्र का उद्घाटन किया। स्कैनिंग सेन्टर की सुविधा से अधिवक्ता/वादी व्यक्तिगत रूप से नए मामले दाखिल करने के साथ-साथ लंबित मामलों में आवेदन/उत्तर/प्रतिक्रिया/दस्तावेज/वकालतनामा आदि ई-फाइलिंग केंद्र से दाखिल कर सकेंगे। ई-फाइलिंग सेन्टर में वे सभी सुविधाएं मौजूद हैं जो ऑनलाइन मामला दाखिल करने के लिए आवश्यक है।

केंद्र में सहायक व्यक्ति या सुविधाकर्ता और स्कैनर जैसी विशेष सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं। बैठने की उचित व्यवस्था की गई है। ई-फाइलिंग सेन्टर पूरी तरह से वातानुकूलित है। त्वरित ई-फाइलिंग के लिए वितीय लेनदेन हेतु त्वरित प्रतिक्रिया (क्यू. आर.) कोड प्रदान किया गया है। मुकदमे की ई-फाइलिंग के संबंध में अधिवक्ताओं/वादियों को विशेष प्रोत्साहन दिया गया है. यदि मामला ई-फाइलिंग मोड्यूल द्वारा दायर किया जाता है। यदि प्रकरण में कोई कमी न हो तो इसे दाखिल करने की तिथि से तीसरे कार्य दिवस पर तत्काल सूचीबद्ध किया जाएगा। कमी होने की स्थिति में कमी को हटाने की तिथि से तीसरे कार्य दिवस में सूचीबद्ध किया जायेगा। ई-फाइलिंग सेन्टर मध्यप्रदेश के उच्च न्यायालय में ई-फाइलिंग को अत्यधिक बढ़ावा देगा और इससे सरकारी खजाने का पैसा भी बचेगा जो पहले मामलों को स्कैन करने या डिजिटल बताने में खर्च होता था। इससे कागजी कार्रवाई भी कम होगी और यह पर्यावरण के अनुकूल पहल है।

सतर्कता एवं अन्य जांच के देयकों को ऑनलाइन भुगतान करने की सुविधा उपलब्ध-ऊर्जा मंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के ऐसे बिजली उपभोक्ता जिन्हें बिजली कंपनी के सतर्कता एवं अन्य जांच दलों द्वारा अनंतिम/अंतिम देयक जारी किये हैं, उनके भुगतान के लिए कंपनी की वेबसाइट पर ऑनलाईन भुगतान की सुविधा शुरू की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने जानकारी दी है कि ऐसे व्यक्ति अथवा बिजली उपभोक्ता जिनके परिसर में बिजली के अनधिकृत उपयोग या फिर अन्य किसी भी अनियमितता के चलते बिजली कंपनी के सतर्कता एवं अन्य जांच दलों द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध कर उन्हें अनंतिम/अंतिम देयक जारी किया गया है, तो अब उसके भुगतान के लिए कंपनी के जोन/वितरण केन्द्र कार्यालय के साथ-साथ घर बैठे ही कंपनी की बेवसाइट पर भी ऑनलाईन भुगतान की सुविधा कंपनी ने उपलब्ध कराई है। कंपनी ने कहा है कि संबंधित व्यक्ति/उपभोक्ताओं को अनंतिम/अंतिम देयक के भुगतान के लिए कंपनी की वेबसाइट पोर्टल पर में दिये गये पर क्लिक कर विकल्प पर जाना होगा। इस विकल्प पर जाने के बाद ऑनलाइन भुगतान हेतु उपभोक्ता क्रमांक अथवा पंचनामा/पेज क्रमांक में से किसी एक विकल्प का चयन करने पर सतर्कता के अनंतिम/अंतिम बिल की जानकारी प्रदर्शित होगी। साथ ही पूर्व में जारी किये गये सतर्कता जांच के देयकों को भी पूर्ण विवरण के साथ व्यु बिल विकल्प के माध्यम से देखा जा सकेगा। उपभोक्ता निर्धारित प्रक्रिया का पालन कर अपनी सुविधानुसार ऑनलाइन भुगतान हेतु क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, यूपीआई अथवा क्यू आर कोड के माध्यम से आसानी से बिल का भुगतान कर सकते हैं।

रानी अवंती बाई लोधी के आदर्शों से प्रेरणा ले समाज-मंत्री श्री प्रहलाद पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने अमर शहीद रानी अवंति बाई लोधी के पराक्रम को नमन करते हुए समाज को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आव्हान किया है। उन्होने कहा कि क्षत्रीय लोधी समाज का समृद्ध इतिहास रहा है। नई पीढ़ी को इससे अवगत होना चाहिए। श्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि रानी अवंति बाई लोधी सिद्धान्तों को लेकर उन्होंने अंग्रजों से लड़ाई लड़ी और दो बार अंग्रेज शासकों को पराजित किया । श्री पटेल आज जबलपुर में अमर शहीद रानी अवंति बाई लोधी की 193 वीं जन्म जयंती पर उनकी जन्म स्थली ग्राम मनकेडी, बरगी में क्षत्रिय लोधी महासभा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रानी अवंति बाई लोधी उद्यान में पौधारोपण किया तथा रानी की प्रतिमा पर कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि क्षत्रिय लोधी समाज का इतिहास गौरवशाली परंपराओं से भरा पड़ा है। इस समाज ने राजा हृदय शाह से लेकर रानी अवंती बाई लोधी तक कई प्रतापी शासक और क्रांतिवीर इस देश को दिये हैं, जिन्होंने देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद कराने में अपने अदम्य साहस और शौर्य का परिचय दिया। समाज को अपने क्रांतिवीरों, आजादी की लड़ाई में योगदान देने वाले बलिदानियों को याद रखना चाहिए । अपने इतिहास और परम्पराओं को संजोने का प्रयास करना चाहिए । श्री पटेल ने कहा जिस समाज को अपने इतिहास का पता नहीं होता उसकी उम्र भी ज्यादा नहीं होती। यदि आपको अपनी सात पीढ़ियों का नहीं पता है तो आने वाली पीढ़ी भी आपको याद नहीं रखेगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने अमर शहीद रानी अवंति बाई लोधी के बलिदान का जिक्र करते हुये कहा कि मात्र 26-27 वर्ष की उम्र में उन्होंने जिन आदर्शों और सिद्धांतों को लेकर अंग्रजों से लड़ाई लड़ी । आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिये। उन्होंने कहा कि रानी अवंति बाई लोधी ने अपने राज्य की गरीब और आदिवासी जनता पर अंग्रेजों द्वारा थोपे गये मनमाने कर का विरोध किया। जबर्दस्ती वसूली के खिलाफ अंग्रजों से लड़ाई लड़ी। रानी ने अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुये दो बार अंग्रेज सेना को पराजित किया और वीरगति को प्राप्त हुईं। श्री पटेल ने इस मौके पर समाज के इतिहास को जानने के लिये अनुसंधान करने पर जोर देते हुये कहा कि इतिहासकारों और लेखकों को चिन्हित करना होगा। उन्होंने समाज के ही प्रतिष्ठित व्यक्तियों, साहित्यकारों, कलाकारों, खिलाड़ियों, शिक्षकों, प्रशासनिक अधिकारियों, व्यावसायियों की पहचान कर उनका सम्मान करने की परंपरा शुरू करना होगी। मंत्री श्री पटेल ने बच्चों खास तौर का आव्हान भी किया। यही रानी अवंति बाई लोधी को यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। रानी अवंति बाई लोधी के 193 वीं जन्म जयंती पर उन्होन एक पेड़ रानी समाज के कार्यकारी अध्यक्ष श्री कोक सिंह नवरिया, लोधी लोध समाज के श्रीमती तृप्ति सिंह ने भी संबोधित किया तथा अमर शहिद रानी अवंति बाई लोधी के शौर्य और पराक्रम का स्मरण करते हुये समाज के लोगों से उनके आदर्शों और सिद्धांतों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

रेशम से दवाइयां बनाने के लिये कार्य प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की %रेशम से समृद्धि योजना% में नवाचार किये जा रहे हैं। नर्मदापुरम जिले के रेशम विकास केन्द्र मालाखेड़ी में रेशम से दवाइयों का उत्पादन करने के लिये कार्यवाही तेज कर दी गयी है।

यहाँ दवाइयाँ बनाने के लिये गत माह फाई ब्रोहित कंपनी तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, भोपाल के बीच एक अनुबंध हुआ। इस अनुबंध के तहत मालाखेडी रेशम विकास केन्द्र में रेशम के धागे से पॉवडर, क्रीम, सेरी बैंडेज एवं सिजेरियन बैंडेज आदि का निर्माण (उत्पादन) किया जाएगा। रेशम के धागे से दवाइयों के अलावा अन्य प्रकार के उत्पादन करने के प्रयास भी किये जा रहे है। इस दिशा में जरूरी अनुसंधान एवं विकास कार्यों के लिये 50 करोड़ रूपये की आवश्यकता का मांग पत्र राज्य शासन को भेजा गया है। आयुक्त रेशम श्री मोहित बुंदस ने बताया कि रेशम के विकास एवं विस्तार से जुड़ी सेवाओं के त्वरित क्रियान्वयन (संपादन) के लिये रेशम से समृद्धि योजना में %न्यू सिल्क ईको सिस्टम% विकसित किया गया है। इसके लिये मध्यप्रदेश सिल्क फेडरेशन को 100 करोड़ रूपये उपलब्ध कराने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। रेशम

विकास गतिविधियों के क्रियान्वयन में जरूरत के अनुसार इस राशि का उपयोग किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि रेशम संचालनालय की योजनाओं का क्रियान्वयन अब मध्यप्रदेश सिल्क फेडरेशन के माध्यम से किया जायेगा। इसके लिये मप्र सिल्क फेडरेशन को जरूरी धनराशि (ग्रान्ट के रूप में) उपलब्ध कराने का प्रस्ताव राज्य शासन को दिया गया है। आयुक्त रेशम ने बताया कि रेशम विकास के लिये एक और नवाचारी कदम उठाया जा रहा है। प्रदेश में रेशम विकास गतिविधियों का क्रियान्वयन अब क्लस्टर मोड में करने की शुरूआत कर दी गई है। रेशम गतिविधियों की पुनर्संरचना करते हुये न्यू सिल्क ईको सिस्टम करने के साथ ही पचमढ़ी में सिल्क टेक पार्क भी प्रारंभ किया गया। इसमें चार प्रकार के रेशम ककून का उत्पादन किया जा रहा है। म.प्र. सिल्क फेडरेशन को राज्य की स्टार्ट-अप नीति के तहत इन्क्यूबेटर बनाया गया है। रेशम विकास गतिविधियों के सुचारू क्रियान्वयन के लिये शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय भोपाल के फैशन टेक्नोलॉजी विभाग तथा आई.आई.एम. इन्दौर के मध्य न्यू सिल्क ईको सिस्टम के क्रियान्वयन के लिए एक एम.ओ.यू. किया गया है।

छात्रा ने धारदार हथियार से खुद का गला गोदा

सहेली बोली- स्कूल के बाहर लड़के से मिली, फिर ताबड़तोड़ वार करने लगी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी में एक स्कूल के सामने छात्रा ने अपने गले पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार किए। वहां मौजूद लोग छात्रा को जिला अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर उसे संजय गांधी अस्पताल रीवा रेफर कर दिया गया।

घटना सेमरिया हायर सेकेंडरी स्कूल के सामने की है। छात्रा की सहेली ने बताया कि घायल छात्रा किसी लड़के से मिलने के लिए स्कूल के बाहर खड़ी थी।

लड़के से मिलने के बाद उसने मोची की दुकान से रापी उठा ली और गले पर वार करना शुरू कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शी कुबेर तोमर ने बताया, छात्रा ने जूते सिलने वाले सूजे से खुद के गले में गोदा है। उसने करीब 9 से 10 बार वार किए, जिसके बाद वह बेहोश होकर गिर पड़ी। हम लोग आनन-फानन में उसे अस्पताल ले गए। छात्रा जिस लड़के से मिली थी, उसे लोगों ने पकड़ लिया। लड़के ने अपना नाम ईसू उर्फ शिराज अहमद बताया है। उसे पुलिस को सौंप दिया है।

12वीं का छात्र है आरोपी: सीधी के एएसपी अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि घटना शुक्रवार दोपहर 2 बजे की है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। छात्रा का खुद पर वार करते हुए सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

ओरापी ईसू चुरहट का रहने वाला है। वो सेमरिया में कक्षा 12 का छात्र है। सिराज अपने मामा के यहां रहकर पढ़ाई करता है। आरोपी के पिता गुलशेर अहमद पेशे से वकील हैं, जो चुरहट में रहकर वकालत का कार्य करते हैं।

बेटी के इंसाफ के लिए पूरा देश एक साथ खड़ा है

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा के तत्वाधान में पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा, सीधी विधायक रीती पाठक की अगुवाई में कैंडल मार्च निकालकर आक्रोश व्यक्त किया गया।

कैंडल मार्च के पश्चात स्थानीय गांधी चौक में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे मीडिया से रूबरू होते हुए लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि पश्चिम बंगाल की एक होनहार डॉक्टर बेटी की निर्ममता और क्रूरतापूर्ण हत्या और सामूहिक दुष्कर्म की घटना से पूरा देश आज दुखी और आंदोलित है।

अत्याचारों के खिलाफघर से बाहर निकले - रीती पाठक: सीधी विधायक रीती पाठक ने कहा कि एक महिला मुख्यमंत्री के राज्य में महिलाओं की दुर्दशा हो रही है। ममता बनर्जी की सरकार क्रूर हो चुकी है। एक डॉक्टर बेटी के साथ हुआ सामूहिक दुष्कर्म और बेरहमी के साथ हत्या से आज पूरा देश आंदोलित है। विधायक श्रीमती रीती पाठक ने सभी बहनों से अपील की है कि वह महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ घर से बाहर निकल कर, अपना विरोध प्रदर्शित करें और ऐसे अत्याचारों को बर्दाश्त ना करें।

बी फॉर जस्टिस- पूनम सोनी: महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनम सोनी ने कहा कि पश्चिम बंगाल की होनहार डॉक्टर बेटी के खिलाफहुए अन्याय और ममता बनर्जी सरकार को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ हमने आज आक्रोश रैली एवं कैंडल मार्च सांसद डॉ राजेश मिश्रा, विधायक रीती पाठक की अगुवाई में निकाला। इस दौरान बी फॉर जस्टिस, ममता बनर्जी होश में आओ, होश में आओ, ममता सरकार बर्खास्त करो बर्खास्त करो, के नारे भी बीच.बीच में लगते रहे।

गौ माता पर कुल्हाड़ी से हमाला करने वाले शिक्षक पर एफआईआर दर्ज, हुआ निलंबित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मझौली थाना क्षेत्र अंतर्गत विगत दिवस गौ माता के पैरों को कुल्हाड़ी से वार कर अपाहिज करने वाले शासकीय शिक्षक शिवनंदन कुशवाहा के विरूद्ध त्वरित रूप से एफआईआर दर्ज हुई है साथ ही कलेक्टर के निर्देशन में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा आरोपी को शासकीय सेवा से निलंबित कर दिया गया है। वहीं आमजनो उक्त अमानवीय कृत्य की कठोर शब्दों में भर्सना करते हुए जिला प्रशासन से आरोपी के घर पर बुलडोजर कार्यवाही की गई है।

बताया गया कि आरोपी के द्वारा गौ माता के पैरों को कुल्हाड़ी से काटकर क्रूरता का परिचय देने वालें शिक्षक द्वारा समाज को कलंकित करने कार्य किया गया है। ऐसे शासकीय शिक्षक शिवनंदन कुशवाहा को तत्काल सेवा बर्खास्त किया जाये। गौ माता अपाहिज हो गई है इस कारण जीवन पर्यन्त उनके उपचार, आश्रय एवं भरण.पोषण की व्यवस्था के लिए जो भी राशि की आवश्यकता हो उसके लिए शिक्षक को ही जिम्मेदार ठहराया जाकर धन राशि जमा कराई जाय। चन्द्रेशनाथ तिवारी निवासी पोड़ी चौकी मड़वास के द्वारा रिपोर्ट करने पर चौकी मड़वास थाना मझौली के द्वारा शिक्षक शिवनंदन कुशवाहा के विरुद्ध अपराध क्रमांक 260/2024 अपराध अन्तर्गत धारा 325 भारतीय नागरिक संहिता एवं धारा 11 पशु क्रूरता अधिनियम के तहत आपराधिक मामला दर्ज कर लिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा शिक्षक के द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता को देखते हुए कलेक्टर के निर्देश पर शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है।

सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक रक्षाबंधन कल्याणकारी : पं. मिश्रा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सावन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को हर साल रक्षाबंधन मनाया जाता है। इस पर्व में अपराह्न व्यापिनी पूर्णिमा तिथि का होना जरूरी है, और भद्रा वर्जित है। पुराणों में भद्रा को सूर्य की पुत्री और शनि की बहन बताया गया है और किसी भी शुभ कार्य की इसकी उपस्थिति नहीं होनी चाहिए। रक्षा बंधन के दिन सुबह स्नान करके देवता, पितर और ऋषियों का स्मरण किया जाता है। इसके बाद रक्षा सूत्र राखी को शुद्ध स्थान पर रखकर विधिपूर्वक पूजा की जाती है। फिर रक्षा सूत्र को दाहिने हाथ में बंधवाया जाता है। उक्त बातें चर्चा के दौरान अयोध्या के विद्वान पंडित विभूतिनारायण मिश्रा ने कहीं।

अयोध्या के विद्वान पंडित विभूतिनारायण मिश्रा ने चर्चा के दौरान बताया कि रक्षा सूत्र बांधते समय विशेष मंत्र का उच्चारण आवश्यक है। रक्षाबंधन का मुहूर्त इस वर्ष सावन शुक्ल पूर्णिमा 19 अगस्त 2024 को सूर्योदय से पहले 03. 05 बजे से रात्रि 11.55 बजे तक पूर्णिमा रहेगी। मकर राशि में चंद्रमा होने के कारण भद्रा पाता लोक में निवास करेगी, इसलिए भद्रा दोष भी नहीं लगेगा। सोमवार 19 अगस्त 2024 को सुबह 9 बजे श्रवण पूजन के बाद शाम 5 बजे तक रक्षाबंधन कल्याणकारी सिद्ध होगा।

रक्षाबंधन की कथा: पंडित विभूतिनारायण मिश्रा ने आगे बताया कि धार्मिक पुस्तमकों में वर्णित कथा के अनुसार एक बार बारह साल तक देवताओं और असुरों के बीच युद्ध हुआ, जिसमें देवताओं की हार हुई और असुरों ने स्वर्ग पर कब्जा कर लिया। हार से निराश इंद्र अपने गुरु बृहस्पति के पास गए और कहने लगे कि मेरा युद्ध करना अनिवार्य है, जबकि अब तक के युद्ध में हमें हार ही हाथ लगी है। इंद्र की पत्नी इंद्राणी भी यह सब सुन रही थीं। उन्होंने कहा कि कल श्रावण शुक्ल पूर्णिमा है, मैं विधानपूर्वक रक्षासूत्र तैयार करूंगी, आप ब्राह्मणों से बंधवा लीजिएगा। इससे आप जरूर विजयी होंगे। दूसरे दिन इंद्र ने रक्षा.विधान के साथ रक्षाबंधन करवाया। इसके बाद ऐरावत हाथी पर चढ़कर जब इंद्र रणक्षेत्र में पहुंचे तो असुर इतने भयभीत हुए कि वे भाग खड़े हुए। इस प्रकार रक्षा विधान के प्रभाव से इंद्र की विजय हुई और तभी से यह पर्व मनाया जाने लगा। इसके साथ ही इस पावन पुनीत पर्व की अन्य भी कई कथायें हैं, जो आज भी जीवांत हैं।

अटल जी महान व्यक्तित्व के धनी एवं भविष्य वक्ता थे

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। अटल जी महान व्यक्तित्व के धनी और भविष्यवक्ता थे। उनके द्वारा की गई भविष्यवाणी आज शत प्रतिशत सत्य हो रही है। अटल जी ने प्रधानमंत्री रहते हुए कांग्रेस को कहा था कि आज इतराने वाले कभी हॉसिऐ में नजर आओगे। जब अटल जी की सरकार एक वोट से गिरी थी, तो उन्होंने कहा था कि कांग्रेस जीवित रहने के लिए संघर्ष करगे अब वही पल देखने को मिल रहा है जब कॉग्रेंस पर जग हस रहा है। उक्त आशय के विचार भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित अटल जी की श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए सांसद डॉक्टर राजेश मिश्रा ने कहीं।

सीधी विधायक रीती पाठक ने अटल जी को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि जब मैं सांसद चुन करके दिल्ली गई तो अटल जी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उस दौरान के संस्करण विधायक श्रीमती पाठक ने कार्यकर्ताओं को सुनाया। सबका साथ सबका विकास के सच्चे प्रणेता अटल जी थे। एक आदर्श कार्यकर्ता के रूप में अटल जी का व्यक्तित्व सदा हमें राह दिखाता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री डॉक्टर मनोज मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन जिला महामंत्री विनोद साकेत ने किया।

कोलकाता घटना के विरोध में हड़ताल पर उतरे डॉक्टर्स

जिला अस्पताल में सिविल सर्जन ने संभाला मोर्चा, विद्यार्थी परिषद ने ममता बनर्जी का पुतला जलाया

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। कोलकाता में हुई ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ बर्बरता के विरोध में शनिवार की देर शाम 7 बजे गांधी आश्रम से कैंडल मार्च निकला गया है। यह कैंडल मार्च छत्रसाल चौराहा से प्रारंभ हुआ और आकाशवाणी तिराहे होते हुए वापस छत्रसाल चौराहे पर समापन किया गया।

इसी कड़ी में छतरपुर जिले के चिकित्सक भी प्रदर्शन कर रहे हैं। शनिवार को जिला अस्पताल के चिकित्सक, निजी अस्पतालों के चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ काम बंद हड़ताल पर रहा। साथ ही ज्यादातर मेडिकल और पैथोलॉजी सेंटर भी बंद रहे। शहर के चौबे तिराहा पर पंडाल लगाकर सभी चिकित्सकों ने शांतिपूर्ण ढंग से धरना दिया। धरने पर बैठी वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. शकुंतला चौबे ने कहा कि चिकित्सक दिन-रात पूरी ईमानदारी से जनता की सेवा करते हैं बावजूद इसके सरकार द्वारा चिकित्सकों की सुरक्षा के लिए प्रबंध नहीं किए गए हैं। जिस वजह से कोलकाता में इतनी घृणित घटना हुई है।

वहीं दूसरी ओर जिला अस्पताल में पहुंचने वाले मरीज इलाज के लिए भटकते नजर आए। अपनी भाभी का इलाज कराने जिला अस्पताल आई हुमेरा खातून निवासी छतरपुर ने बताया कि किसी ओपीडी में चिकित्सक नहीं हैं। सिर्फ इमरजेंसी कक्ष में दो चिकित्सक हैं जिनके द्वारा गंभीर मरीजों का उपचार किया जा रहा है।

वहीं सिविल सर्जन डॉ. जीएल अहिरवार ने बताया कि कोलकाता में महिला चिकित्सक के साथ हुई घटना के विरोध में आज चिकित्सकों द्वारा काम बंद हड़ताल की जा रही है, जिस कारण से जिला अस्पताल की ओपीडी खाली हैं। इमरजेंसी में दो चिकित्सक तैनात हैं। जो गंभीर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक दिन पूर्व चिकित्सकों ने हड़ताल पर जाने की लिखित सूचना दी थी। जिससे कलेक्टर को अवगत कराया गया था। ओपीडी के लिए दो चिकित्सकों की व्यवस्था की गई है ताकि मरीजों को परेशानी न हो।

विद्यार्थी परिषद ने जलाया ममता बनर्जी का पुतला चिकित्सकों के अलावा विद्यार्थी वर्ग में भी कोलकाता की घटना को लेकर नाराजगी है। सोमवार को जिला मुख्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने शहर के छत्रसाल चौराहे पर बजे प?श्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का दोपहर 2 बजे पुतला जलाकर घटना का विरोध जताया।

विद्यार्थी परिषद के महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय अध्यक्ष जनार्दन पटना ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगातार महिलाओं पर अत्याचार हो रहा है, जिसके लिए पूर्ण रूप से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं, उन्हें तुरंत अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान राजदीप तिवारी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शहर में 1 सितंबर को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

सीएम के शामिल होने की संभावना

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर जिला मुख्यालय में शनिवार की शाम 4 बजे यादव समाज के पदाधिकारियों ने शहर के एक निजी होटल में बैठक का आयोजन किया है। बैठक में सर्वप्रथम भगवान श्रीकृष्ण के छाया चित्र पर माल्यार्पण किया गया। उसके बाद कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। बैठक के दौरान 1 सितंबर को निकली जाने वाली भव्य शोभा यात्रा की तैयारी को लेकर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता यादव समाज के संरक्षक सदर विधायक ललिता यादव ने की है। वही मंच का संचालन यादव महासभा के संभागीय अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह उर्फ मोनू यादव ने किया है।

बैठक में फैसला लिया गया: हरसाल की तरह परंपरागत जुलूस और शोभायात्रा की तैयारियों पर विचार मंथन करने के लिए यादव समाज के सभी पदाधिकारी बैठक में मौजूद रहे। बैठक में सभी पदाधिकारियों की सहमति के आधार पर फैसला लिया गया कि आगामी 1 सितंबर को शहर के मोटे के महावीर मंदिर से भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। शहर के महल रोड होते हुए चौक बाजार से निकलकर बस स्टैंड पर शोभायात्रा का समापन किया जायेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री, वर्तमान छतरपुर विधायक ललिता ने कहा कि यह कार्यक्रम हर साल की तरह इस साल भी धूमधाम से मनाया जाएगा। इस शोभा यात्रा के कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव से बात की जाएगी। यादव महासभा के संभागीय अध्यक्ष राजेंद्र सिंह यादव मोनू ने बताया कि यादव समाज के साथ ही सभी श्रीकृष्ण भक्त धर्मप्रेमी बंधुओ से आग्रह किया गया है कि वे इस शोभायात्रा में उपस्थित होकर अपने जीवन को धन्य बनाएं।

इस कार्यक्रम की बैठक में प्रमुख रूप से यादव समाज के जिलाध्यक्ष नारायण सिंह यादव,यादव महासभा के जिला मीडिया प्रभारी धर्मजीत सिंह यादव,रामचंद्र यादव,भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष अवधेश सिंह यादव, टिंकू यादव नौगांव, भाजपा नेता अशोक यादव, दिनेश यदुवंशी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सड़क पर शव रख कर 3 घंटे किया नेशनल-हाईवे जाम

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर जिले में शनिवार सुबह 10 बजे से बक्सवाहा तहसील कार्यालय के सामने जबलपुर छतरपुर मुख्य मार्ग पर शव रख कर घंटों तक चक्का जाम किया गया। 3 घंटे बाद बड़ामलहरा एसडीओपी मौके पर पहुंचे और उन्होंने परिवार को समझाइश देकर जाम को खुलवाया गया।

यह है मामला: बक्सवाहा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम सेडारा से है जहां 16 अगस्त की देर रात 45 वर्षीय कलू लोधी की संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी से मौत हो गई थी। मृतक के परिजनों ने घटना के विरोध में जबलपुर छतरपुर नेशनल हाईवे मार्ग पर शनिवार की सुबह 10 बजे शव रख कर जाम लगा दिया।

नेशनल हाईवे पर लगे जाम की जानकारी लगने पर खुलवाने के लिए तहसीलदार भरत पांडे, थाना प्रभारी कृपाल सिंह मार्को, नैनागिर एसआई कादर खान ने परिजनों से बात की लेकिन परिवार के लोग नहीं माने। उसके 3 घंटे बाद दोपहर 1 बजे एसडीओपी बड़ामलहरा रोहित अलावा मौके पर पहुचे। मृतक के परिजनों से बात की। उसके बाद जाम खुलवाया गया।

मृतक के रिश्तेदार मुलू लोधी ने थाना बक्सवाहा में शिकायत दर्ज कराई कि उनकी बहन गीता लोधी ने फोन पर सूचित किया कि गांव के कुछ व्यक्तियों के साथ विवाद हुआ है। गीता की सूचना पर मुलू लोधी जब घर की ओर जा रहा था तो रास्ते में गोपाल लोधी के घर के सामने जामुन के पेड़ से उसके जीजा कलू लोधी फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला था।

परिजनों का कहना है कि पिछले 4 महीने पहले मृतक के बेटे की आत्महत्या की जांच अभी तक पूरी नहीं हुई है। वही बीती रात हुई एक और संदिग्ध आत्महत्या से परिजन पुलिस की कार्य शैली पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। जिसको लेकर परिजनों ने एसडीओपी बड़मलहारा को मौके पर बुलाने की मांग रखी थी।

एसडीओपी बड़ामलहरा ने बताया कि पुराने मामले की जांच जारी है और उसकी रिपोर्ट आने के बाद कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि मृतक के मामले में भी पुलिस टीम को सेडारा गांव भेजा गया है। जांच के बाद जो तथ्य निकलकर सामने आएंगे उसी के आधार पर उचित कार्यवाही की जाएगी।

जेपी निगरी सुपर थर्मल पावर प्लांट में धूम धाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। 78वें स्वतंत्रता दिवस के पर्व को विशेष रूप से मनाने के लिये जेपी समूह के निगरी स्थित पावर प्लान्ट में दिनांक 13 अगस्त 2024 से 15 अगस्त 2024 तक कई कार्यक्र मों का आयोजन किया गया। जिसमें जेपी समूह के निगरी स्थित जय ज्योति स्कूल, सरदार पटेल स्कूल के बच्चे, कर्मचारी, अधिकारी, परिवार जन कालोनी के रहवासी एवं आस-पास के ग्रामीणो ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्र म की तैयारी में कई तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सर्व श्रेष्ठ बैंड प्रदर्शन के लिये सुरक्षा जवानों का चयन किया गया।

हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत 13 से 15 अगस्त 2024 तक रहवासियों ने अपने घरों में तिरंगा फहराया, साथ ही तिरंगा यात्रा रैली भी स्कूली बच्चों द्वारा निकाली गई। 15.08.2024 के दिन दोनो स्कूल के बच्चों ने बैंड प्रदर्शन के साथ मार्च पास्ट परेड में अपने कौशल का प्रदर्शन किया जिसकी सभी ने काफी प्रशंसा की। इसके अतिरिक्त दोनो स्कूल के बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उच्चकोटि का प्रदर्शन किया, जिसमें भारत की एकता एवं अखंडता का प्रदर्शन करते हुये देश प्रेम से ओतप्रोत बहुत से सुन्दर कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया गया।

केन्द्रीय कार्यक्रमों का आयोजन पोडियम मैदान में 15अगस्त 2024 को किया गया। इसके मुख्य अतिथि एम.व्ही.आर. रेड्डी, परियोजना प्रमुख के द्वारा ध्वजा रोहण, परेड का निरीक्षण, मार्च पास्ट, मुख्य अतिथि का संबोधन, सांकेतिक वृक्षारोपण एवं स्कूली बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, विभिन्न प्रतियोगिताओं में चयनित बच्चों को पुरूस्कार वितरण किया गया। गोपद नदी पर कम्पनी के बैराज में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें ध्वजा रोहण, सजावटी प्रकाश की व्यवस्था की गई।

विचार

यूएस से मिले आधुनिक हथियारों को लेकर यूक्रेन तो रूसिया के भीतर घुसता ही चला जा रहा है

रूस-यूक्रेन युद्ध के तीसरे वर्ष में युद्ध मैदान के हालात में आये बड़े परिवर्तन ने सबको चौंका दिया है। जिस तरह यूक्रेन रूस को उसके घर में घुसकर मार रहा है उससे समूची दुनिया हैरान रह गयी है। हालांकि यहां एक सवाल यह उठ रहा है कि यूक्रेन अमेरिकी हथियारों के साथ जिस तरह रूस में हमले कर रहा है क्या उससे अमेरिका की हथियार नीति का उल्लंघन नहीं हो रहा है? हम आपको बता दें कि यूक्रेन ने कहा है कि उसके सैनिक 6 अगस्त को घुसपैठ शुरू करने के बाद से अब तक रूस में 35 किमी (21 मील) तक घुस आए हैं। कीव का कहना है कि उसे रूसी भूमि पर कब्जा करने में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह अपने सीमावर्ती क्षेत्रों को रूस से बचाने के लिए एक बफर जोन बना रहा है। दूसरी ओर, अमेरिका का कहना है कि अगर यूक्रेन अमेरिकी हथियारों और वाहनों का उपयोग करके गांवों और अन्य गैर-सैन्य ठिकानों पर कब्जा करना शुरू कर देता है, तो इससे अमेरिकी हथियार नीति पर सवाल उठ सकते हैं। अमेरिका को यह भी चिंता है कि युद्ध में अमेरिका और नाटो देशों के हथियारों का रूस के खिलाफ खुलकर विरोध होने से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भड़क सकते हैं। अमेरिका का कहना है कि वाशिंगटन की हथियार नीति यूक्रेन द्वारा रूस पर आक्रमण करने के लिए नहीं बनाई गई थी। अमेरिका का कहना है कि राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने हमले के समर्थन या विरोध में कोई मजबूत सार्वजनिक रुख नहीं अपनाया है। वैसे अभी यह स्पष्ट नहीं है कि रूस में यूक्रेनी घुसपैठ में कौन से अमेरिका निर्मित हथियार या उपकरण का इस्तेमाल किया गया है। हम आपको बता दें कि फरवरी 2022 में रूस द्वारा अपने पड़ोसी पर आक्रमण करने के बाद से अमेरिका यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा रहा है और उसे 50 बिलियन डॉलर से अधिक के सैन्य उपकरण प्रदान किए हैं। हालांकि अपने भूराजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रूस के साथ व्यापक संघर्ष से बचने की कोशिश करते हुए, बाइडन प्रशासन ने शुरू में अपने हथियारों के उपयोग पर सख्त शर्तें लगा दीं थीं। लेकिन अब उन शर्तों को धीरे-धीरे ढीला कर दिया गया है। हम आपको यह भी बता दें कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदमीर ज़ेलेंस्की की अपील के बावजूद अमेरिका अभी भी रूसी क्षेत्र पर लंबी दूरी के हमलों के लिए अपने हथियारों के उपयोग की अनुमति नहीं दे रहा है। वैसे बाइडन प्रशासन ने सार्वजनिक रूप से लंबी दूरी को परिभाषित नहीं किया है। विशेषज्ञों का इस बारे में कहना है कि अमेरिका ने धीरे-धीरे यूक्रेन द्वारा अपने हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंधों में ढील दे दी है, क्योंकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूरोप या अमेरिका के खिलाफ आशंका के मुताबिक अब तक कोई हमला नहीं किया है। हम आपको बता दें कि व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने हाल ही में कहा था कि हम बहुत स्पष्ट और सुसंगत रहे हैं कि हम वास्तव में यूक्रेन को अपनी सीमाओं के अंदर आक्रामकता के खिलाफ खुद का बचाव करने पर ध्यान केंद्रित करते देखना चाहते हैं।

तानाशाह नहीं हैं प्रधानमंत्री मोदी! आलोचकों की परवाह न कर अपनी राह चलते हैं

प्रो. संजय द्विवेदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में कुछ तो खास है कि वे अपने विरोधियों के निशाने पर ही रहते हैं। इसका खास कारण है कि वे अपनी विचारधारा को लेकर स्पष्ट हैं और लीपापोती, समझौते की राजनीति उन्हें नहीं आती। राष्ट्रहित में वे किसी के साथ भी चल सकते हैं, समन्वय बना सकते हैं, किंतु विचारधारा से समझौता उन्हें स्वीकार नहीं है। उनकी वैचारिकी भारतबोध, हिंदुत्व के समावेशी विचारों और भारत को सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की अवधारणा से प्रेरित है। यह गजब है कि पार्टी के भीतर अपने आलोचकों पर भी उन्होंने कभी अनुशासन की गाज नहीं गिरने दी,यह अलग बात है कि उनके आलोचक राजनेता ऊबकर पार्टी छोड़ चले जाएं। उन्हें विरोधियों को नजरंदाज करने और आलोचनाओं पर ध्यान न देने में महारत हासिल है।

इसके उलट पार्टी से नाराज होकर गए अनेक लोगों को दल में वापस लाकर उन्हें सम्मान देने के अनेक उदाहरणों से मोदी चकित भी करते हैं। किसी व्यक्ति की लोकतांत्रिकता उसकी अपने दल के साथियों से किए जा रहे व्यवहार से आंकी जाती है। मोदी यहां चौंकाते हुए नजर आते हैं। वे दल के सर्वोच्च नेता हैं किंतु उनका व्यवहार 'आलाकमान' सरीखा नहीं है। आप उन्हें तानाशाह भले कहें, किंतु तटस्थ विश्लेषण से पता चलता है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद आजतक उनकी आलोचना करने वाले अपने किसी साथी के विरूद्ध उन्होंने कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होने दी। कल्पना करें कि किसी अन्य दल में अपने आलाकमान या सर्वोच्च नेता की आलोचना करने वाला व्यक्ति कितनी देर तक अपनी पार्टी में रह सकता है। नरेंद्र मोदी यहां भी रिकार्ड बनाते हैं। जबकि भाजपा में अनुशासन को लेकर कड़ी कारवाईयां होती रही हैं। भाजपा और जनसंघ के दिग्गज नेताओं में शामिल रहे बलराज मधोक से लेकर कल्याण सिंह, उमा भारती, बाबूलाल मरांडी, बीएस येदुरप्पा जैसे दिग्गजों पर कार्रवाइयां हुई हैं, तो गोविंदाचार्य पर भी एक कथित बयान को लेकर गाज गिरी। उन्हें अध्ययन अवकाश पर भेजा गया, जहां से आजतक उनकी वापसी नहीं हो सकी है। मोदी का ट्रैक अलग है। वे आलोचनाओं से घबराते नहीं और पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की छूट देते हुए अपने आलोचकों को भरपूर अवसर देते हैं। यह कहा जा सकता है कि मोदी आलोचनाओं के केंद्र में रहे हैं, इसलिए इसकी बहुत परवाह नहीं करते हैं। वे कहते भी रहे हैं कि उनके निंदक जो पत्थर उनकी ओर फेंकते हैं, उससे वे अपने लिए सीढ़ियां तैयार कर लेते हैं। 2014 में उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद पार्टी के भीतर भी उनके आलोचकों और निंदकों की पूरी फौज सामने आती है, जो तमाम मुद्दों पर उन्हें घेरती रही है। आश्चर्यजनक रूप से मोदी उनके विरूद्ध पार्टी के अनुशासन तोड़ने जैसी कार्यवाही भी नहीं होने देते हैं। इसमें पहला नाम गाँधी परिवार से आने वाले वरूण गांधी का है, जिन्हें भाजपा ने सत्ता में आने के बाद संगठन में महासचिव का पद दिया। वे सांसद भी चुने गए। किंतु पार्टी संगठन में उनकी निष्क्रियता से महासचिव का पद चला गया और वे मोदी के मुखर आलोचक हो गए। अपने बयानों और लेखों से मोदी को घेरते रहे। बावजूद इसके न सिर्फ उनको 2019 में भी लोकसभा का टिकट मिला, बल्कि आज भी वे पार्टी के सदस्य हैं। खुलेआम आलोचनाओं और अखबारों में लेखन के बाद भी उन्हें आज तक एक नोटिस तक पार्टी ने नहीं दिया है। हां, इस बार वे टिकट से जरूर वंचित हो गए। उनकी जगह कांग्रेस से आए जितिन प्रसाद को पीलीभीत से लोकसभा का टिकट मिल गया। जतिन जीत भी गए। दूसरा उदाहरण फिल्म अभिनेता और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे शत्रुध्न सिन्हा का है। सिन्हा मोदी के मुखर आलोचक रहे और समय-समय पर सरकार पर टिप्पणी करते रहे। अंतत: वे भाजपा छोड़कर पहले कांग्रेस, फिर तृणमूल कांग्रेस में चले गए। अब वे आसनसोल से तृणमूल के सांसद हैं। यही कहानी पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता यशवंत सिन्हा की है। उन्होंने भी मोदी विरोधी सुर अलापे और अंतत: पार्टी छोड़कर चले गए। उनके पार्टी छोड़ने के बाद भी उनके बेटे जयंत सिन्हा को 2019 में भाजपा ने लोकसभा की टिकट दी। जयंत सिन्हा मोदी सरकार में मंत्री भी रहे। इस बार जयंत का टिकट कट गया। ऐसे ही उदाहरणों में क्रिकेटर कीर्ति आजाद भी हैं। मोदी सरकार के विरूद्ध उनके बयान चर्चा में रहे, संप्रति वे तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं।

लेखक और दिग्गज पत्रकार अरूण शौरी, अटल जी की सरकार में मंत्री रहे। उनका बौद्धिक कद बहुत बड़ा है। एक इंटरव्यू में अरुण शौरी ने कहा कि नरेंद्र मोदी के बारे में उनके अधिकारी ही मुझे कहते हैं कि उनके सामने बोल नहीं सकते। मंत्री डरे हुए रहते हैं। कोई कुछ बोल नहीं पाता है उनके सामने। उनके सामने जाने और कुछ भी कहने से पहले लोग डरे रहते हैं और सोच समझकर बोलते हैं। हालांकि अटल जी की पर्सनालिटी ऐसी थी कि लोग उनसे अपनी बात कहना चाहते थे और वह सुनते भी थे। उनकी एक खास बात यह भी थी कि वह भी यह जानना चाहते थे कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। वह पूछा करते थे और लोग बिना किसी डर के बताते भी थे। तीखी आलोचनाओं के बाद भी मोदी का उनके प्रति सौजन्य कम नहीं हुआ और वे शौरी की बीमारी में उन्हें देखने अस्पताल जा पहुंचे और उनके परिजनों से भी मुलाकात की। अरुण शौरी और पीएम मोदी के रिश्तों में उस समय सबसे ज्यादा खटास देखी गई, जब अरुण शौरी यशवंत सिन्हा के साथ राफेल मामले को सुप्रीम कोर्ट लेकर पहुंच गए। यहां पर उन्होंने मामले की जांच और सौदे पर सवाल उठाए थे । हालांकि सुप्रीम कोर्ट में सरकार को क्लीन चिट मिल गई। रिश्तों में आई खटास के बावजूद भी पीएम मोदी ने पुणे स्थित अस्पताल में अरूण शौरी से मुलाकात की। इस मुलाकात के फोटो शेयर करते हुए लिखा- आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी जी से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उनके साथ इस दौरान बहुत अच्छी बातचीत हुई। हम उनकी दीर्घायु और स्वस्थ्य जीवन की कामना करते हैं।

अपने तीखे तेवरों के चर्चित सुब्रमण्यम स्वामी कभी जनसंघ- भाजपा से जुड़े रहे। बाद में वे भाजपा से अलग होकर जनता पार्टी के अध्यक्ष बने। केंद्र में मंत्री भी बने। 2014 में सत्ता में आने के बाद मोदी ने स्वामी को राज्यसभा के लिए भेजा। स्वामी इससे कुछ अधिक चाहते थे। जाहिर है इन दिनों वे मोदी के प्रखर आलोचक बने हुए हैं। किंतु उनकी आलोचनाओं पर मोदी या भाजपा ने कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। एक साक्षात्कार में स्वामी ने कहा कि मैं बीजेपी का हिस्सा हूं...मैं इनके साथ लंबे समय से साथ हूं। मुझे पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी से भी दिक्कत थी लेकिन इतनी समस्या नहीं थी, जितनी कि पीएम नरेंद्र मोदी से है।भाजपा छोड़कर जा चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान को वापस लाकर मोदी ने उन्हें केरल के राज्यपाल पद से नवाजा। राज्यपाल के पद पर बैठकर मोदी की आलोचना करते रहे सतपाल मलिक को भी प्रधानमंत्री पद से नहीं हटाते, बल्कि कार्यकाल पूरा करने का अवसर देते हैं। जबकि राज्यपाल एक संवैधानिक पद है और उस पद पर बैठे व्यक्ति को केंद्र सरकार की सार्वजनिक आलोचना से बचना चाहिए। किंतु सतपाल मलिक ऐसा करते रहे और मोदी उनकी सुनते रहे। इसी तरह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी नाराज होकर पार्टी से बाहर थे और अपनी पार्टी बनाकर सक्रिय थे। भाजपा ने मोदी के कार्यकाल में न सिर्फ उनकी पार्टी में वापसी सुनिश्चित की बल्कि उन्हें झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद भी दिया। नाराज होकर भाजपा दो बार छोड़ चुके कल्याण सिंह(अब स्वर्गीय) को राजस्थान का राज्यपाल बनाया गया। उनके पुत्र राजबीर को लोकसभा की टिकट और पौत्र संदीप सिंह को उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री का पद मिला है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री रहीं उमा भारती भी 'भाजपा के अनुशासन चक्र' का शिकार रहीं। मोदी ने उन्हें अपनी सरकार में मंत्री बनाया और उनके साथ भाजपा छोड़कर गए प्रह्लाद सिंह पटेल मोदी सरकार में राज्यमंत्री बने। अब पटेल मध्यप्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। ये उदाहरण बताते हैं मोदी अपने लोगों के प्रति खासे उदार हैं।

भारत के लिए क्यों जरूरी है सेक्युलर सिविल कोड? अलग-अलग पर्सनल लॉ के चलते क्या हो रही हैं परेशानियां?

अश्विनी उपाध्याय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता (एससीसी) की जोरदार वकालत करते हुए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और इसके बारे में उच्चतम न्यायालय के आदेशों का उल्लेख किया तथा इस विषय पर देश में गंभीर चर्चा की जरूरत पर बल दिया। इसके बाद से देश में सेक्युलर सिविल कोड के मुद्दे पर चर्चा शुरू हो गयी है। जहां विपक्ष कह रहा है कि ना तो भाजपा सेक्युलर है और ना ही सिविल है वहीं सत्तारुढ़ एनडीए में शामिल दलों का कहना है कि प्रधानमंत्री के प्रस्ताव का स्वागत किया जाना चाहिए और इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाना चाहिए क्योंकि हमारा संविधान यही कहता है कि सभी देशवासियों के लिए एक ही नागरिक संहिता होनी चाहिए। आइए पहले समझते हैं कि देश में अलग-अलग पर्सनल लॉ लागू होने से क्या परेशानियाँ हैं फिर समझेंगे कि क्यों भारत के लिए जरूरी है समान नागरिक संहिता।

1. मुस्लिम पर्सनल लॉ में बहु-विवाह करने की छूट है लेकिन अन्य धर्मों में एक पति-एक पत्नी का नियम बहुत कड़ाई से लागू है। बांझपन या नपुंसकता जैसा उचित और व्यावहारिक कारण होने पर भी हिंदू, ईसाई, पारसी के लिए दूसरा विवाह करना एक गंभीर अपराध है और भारतीय दंड संहिता की धारा 494 में बहुविवाह के लिए 7 वर्ष की सजा का प्रावधान है इसीलिए कई लोग दूसरा विवाह करने के लिए मुस्लिम धर्म अपना लेते हैं। भारत जैसे सेक्युलर देश में मौज मस्ती के लिए भी चार निकाह जायज है जबकि इस्लामिक देश पाकिस्तान में पहली बीवी की इजाजत के बिना शौहर दूसरा निकाह नहीं कर सकता है। मानव इतिहास में %एक पति- एक पत्नी% का नियम सर्वप्रथम भगवान श्रीराम ने लागू किया था और यह किसी भी प्रकार से धार्मिक या मजहबी विषय नहीं बल्कि सिविल राइट,

ह्यूमन राइट, जेंडर जस्टिस, जेंडर इक्वालिटी और राइट टू डिग्निटी का मामला है इसलिए यह जेंडर न्यूट्रल और रिलिजन न्यूट्रल होना चाहिए।

2. कहने को तो भारत में संविधान अर्थात समान विधान है लेकिन विवाह की न्यूनतम उम्र भी सबके लिए समान नहीं है। मुस्लिम लड़कियों की वयस्कता की उम्र निर्धारित नहीं है और माहवारी शुरू होने पर लड़की को निकाह योग्य मान लिया जाता है इसलिए 9 वर्ष की उम्र में लड़कियों का निकाह कर दिया जाता है जबकि अन्य धर्मों में लड़कियों की विवाह की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष और लड़कों की विवाह की न्यूनतम उम्र 21 वर्ष है। विश्व स्वास्थ्य संगठन कई बार कह चुका कि 20 वर्ष से पहले लड़की शारीरिक और मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होती है और 20 वर्ष से पहले गर्भधारण करना जच्चा-बच्चा दोनों के लिए अत्यधिक हानिकारक है, विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार लड़का हो या लड़की, 21 वर्ष से पहले दोनों ही मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होते हैं, 21 वर्ष से पहले तो बच्चे ग्रेजुएशन भी नहीं कर पाते हैं और आर्थिक रूप से माता-पिता पर निर्भर होते हैं इसलिए विवाह की न्यूनतम उम्र सबके लिए एक समान 21 वर्ष करना नितांत आवश्यक है। %विवाह की न्यूनतम उम्र% किसी भी तरह से धार्मिक या मजहबी विषय नहीं है बल्कि सिविल राइट, ह्यूमन राइट, जेंडर जस्टिस, जेंडर इक्वालिटी और राइट टू हेल्थ का मामला है इसलिए यह जेंडर न्यूट्रल रिलिजन न्यूट्रल और 21 वर्ष होना चाहिए।

3. तीन तलाक अवैध घोषित होने के बावजूद अन्य प्रकार के मौखिक तलाक (तलाक-ए-हसन एवं तलाक-ए-अहसन) आज भी मान्य है और इसमें भी तलाक का आधार बताने की बाध्यता नहीं है और केवल 3 महीने तक प्रतीक्षा करना है जबकि अन्य धर्मों में केवल न्यायालय के माध्यम से ही विवाह-विच्छेद हो सकता है। हिंदू, ईसाई, पारसी दंपति आपसी सहमति से भी मौखिक विवाह-विच्छेद की सुविधा से वंचित हैं, मुसलमानों में प्रचलित मौखिक तलाक का न्यायपालिका के प्रति जवाबदेही नहीं होने के कारण मुस्लिम बेटियों और उनके माता-पिता भाई-बहन और बच्चों को हमेशा भय के वातावरण में रहना पड़ता है। तुर्की जैसे मुस्लिम बाहुल्य देश में भी अब किसी तरह का मौखिक तलाक मान्य नहीं है इसलिए तलाक लेने का तरीका जेंडर न्यूट्रल रिलिजन न्यूट्रल और सबके लिए यूनिफार्म होना चाहिए।

4. मुस्लिम कानून में मौखिक वसीयत एवं दान मान्य है लेकिन अन्य धर्मों में केवल पंजीकृत वसीयत एवं दान ही मान्य है। मुस्लिम कानून में एक-तिहाई से अधिक संपत्ति का वसीयत नहीं किया जा सकता है जबकि अन्य धर्मों में शत-प्रतिशत संपत्ति का वसीयत किया जा सकता है। वसीयत और दान किसी भी तरह से धार्मिक या मजहबी विषय नहीं है बल्कि सिविल राइट, ह्यूमन राइट, जेंडर जस्टिस, जेंडर इक्वालिटी और राइट टू लिबर्टी का मामला है इसलिए यह जेंडर न्यूट्रल रिलिजन न्यूट्रल और सबके लिए यूनिफार्म होना चाहिए।

100 बेड का अस्पताल शुरू होने से पहले खंडहर

खिड़कियां-दरवाजे गायब, मवेशियों-नशेड़ियों का अड्डा, छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग को पता नहीं, ऐसा कोई अस्पताल भी

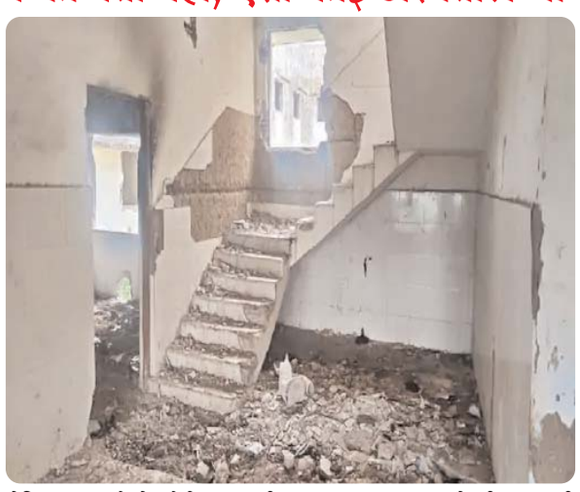

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर निप्र। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बना 100 बेड का अस्पताल शुरू होने से पहले ही खंडहर हो गया। जबकि अस्पताल बने महज 6 साल ही हुए थे। खास बात यह है कि स्वास्थ्य विभाग के अफसरों पता ही नहीं है कि इस तरह कोई अस्पताल भी जिले में बनाया गया था।

साल 2018 में करीब 8 करोड़ से लागत से अस्पताल बनकर तैयार हुआ था। इसमें वो सारी व्यवस्थाएं की गईं, जो एक अस्पताल में रहती है। अब ये नशेड़ियों और मवेशियों का अड?डा बन गया है। दैनिक भास्कर की टीम पहुंची तो जगह-जगह शराब की बोतलें बिखरी मिलीं। टाइल्स, गेट-खिड़कियां तक गायब थे।

जानिए कहां है ये अस्पताल और क्यों बनाया गया: दरअसल, भाजपा शासनकाल में सर्व सुविधायुक्त 100 बेड वाला अस्पताल बनाने की योजना बनी। इसका मकसद था कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को आपातकालीन स्थिति में यहां भर्ती कराया जा सके। साथ ही सिम्स के मेडिकल स्टूडेंट्स को ट्रेनिंग दी जा सके। इसे देखते हुए शहर से 15 किलोमीटर दूर सीपत में इसका निर्माण कराया गया।

सीजीएमएससी को किया गया था हैंडओवर

अस्पताल भवन में ऑपरेशन थिएटर, ओपीडी सहित वार्डों का निर्माण हुआ। ठेकेदार ने मार्बल, टाइल्स से लेकर फाल-सीलिंग, बिजली फिटिंग, पंखे सहित हर तरह से फीनिशिंग कर निर्माण कार्य पूरा किया। इसके बाद भवन को छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससी) को हैंड ओवर किया गया था।

क्वारेंटाइन सेंटर बनाने की मांग की, वो भी नहीं सुनी: कोरोना काल में जब अस्पताल भवन की कमी थी। मरीजों के लिए सरकारी भवनों को क्वारेंटाइन सेंटर बनाया जा रहा था। स्थानीय लोगों के अनुसार, तब नव निर्मित अस्पताल भवन को क्वारेंटाइन सेंटर बनाने की मांग की थी, लेकिन अफसरों ने उनकी सुनी ही नहीं।

स्थानीय लोग बताते हैं कि 2018 में राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद सर्व सुविधायुक्त अस्पताल को नजर अंदाज कर दिया गया। नतीजा यह हुआ कि देखरेख व सुरक्षा के अभाव में अस्पताल के मुख्य द्वार से लेकर हर कमरों के गेट, खिड़कियां और लोहे व एल्यूमीनियम का सारा सामान चोरी हो गया।

पंचायत में मुद्दा उठा, पर अफसरों ने पल्ला झाड़ा: जिला पंचायत के सदस्य और सभापति राहुल सोनवानी ने बताया कि, स्वास्थ्य विभाग को कहा गया, लेकिन अफसरों ने कोई ध्यान नहीं दिया। अफसर यह कहकर पल्ला झाड़ते रहे कि यह भवन उनके अधीन नहीं है। फिर कहा गया कि अस्पताल शुरू करने के लिए पर्याप्त स्टाफ, उपकरणों की भी जरूरत होगी। न तो स्टाफ की स्वीकृति मिली है और न ही उपकरण की व्यवस्था की गई है।

सीएमएचओ बोले- स्वास्थ्य विभाग को कोई जानकारी नहीं: सीएमएचओ डॉ. प्रभात श्रीवास्तव का कहना है कि सीपत में 100 बेड अस्पताल भवन बनने की जानकारी नहीं है। केवल यह पता चला है कि इसका निर्माण छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने कराया था।

जानकारी मिली है कि भवन का निर्माण सिम्स के ट्रेनिंग सेंटर और अस्पताल के लिए किया गया था। मौसमी बीमारी या फिर महामारी के समय यह अस्पताल भवन उपयोगी साबित हो सकता है। इस समय स्वास्थ्य केंद्रों में बिस्तर कम पड़ जाते हैं।

घर में दुकान चलाने वालों पर होगी कार्रवाई

आवासीय टैक्स जमाकर व्यापार करने की मिल रही शिकायतें, रिकार्ड करवा लें अपडेट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर निप्र। रायपुर नगर निगम घर में व्यवसाय करने और दुकान किराए पर देने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू करने जा रहा है। निगम ऐसे घरों का निरीक्षण करेगा जो आवासीय संपत्ति-कर का भुगतान कर रहे हैं और व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। आवासीय संपत्ति-कर जमा कर घरों में व्यवसायिक उपयोग पाए जाने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। रायपुर निगम रेसिडेंशियल टैक्स कम लेता है। लेकिन देखा जा रहा है कि लोग घरों में दुकानें संचालित कर रहे हैं। कॉमर्शियल टैक्स नहीं पटा रहे हैं। जिससे हर साल निगम को करोड़ों रुपए का नुकसान होता है।

500 करोड़ रुपए का लक्ष्य: रायपुर नगर निगम वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में 500 करोड़ रुपए राजस्व का लक्ष्य रखा है। निगम राजस्व विभाग ने ट्रेड लाइसेंस प्राप्त करने वाले व्यवसायियों से अपील भी की है कि जो लोग आवासीय टैक्स देकर व्यवसायिक गतिविधि चला रहे हैं, वे राजस्व अधिकारी से संपर्क कर रिकार्ड अपडेट करवा लें। जांच के दौरान बदलाव नहीं किए पाए जाने पर जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

कॉमर्शियल टैक्स होता है अधिक: निगम अधिकारियों ने बताया कि, घर का उपयोग रहने के लिए करने पर निगम आवासीय संपत्तिकर लेता है। आवासीय संपत्तिकर की गणना कम दरों पर की जाती है। इसके विपरीत व्यावसायिक उपयोग होने वाले मकानों या भवन में ऊंची दरों पर कर की गणना होती है। इससे बचने के लिए कई लोग आवासीय मकानों का व्यावसायिक उपयोग करते हैं जो गलत है।

कमिश्नर ने दिए निर्देश: रायपुर नगर निगम कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि नगर निगम सीमा में आवासीय क्षेत्र में हॉस्टल, किराना दुकान, व्यवसायिक कार्यालय अन्य व्यवसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही है, लेकिन वे सिर्फ मकान का संपत्तिकर जमा कर रहे है। ऐसे लोगों पर कार्रवाई करें। वहीं, अगस्त 2024 तक 90 करोड़ की राजस्व वसूली पूरी करने कहा है।

'झोलाछाप' के इलाज से फिर एक मौत

इंजेक्शन लगाते ही युवक ने तोड़ा दम, बिलासपुर में ही महीनेभर में 6 मौतें

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से मौत का सिलसिला नहीं थम रहा है। शनिवार को फिर एक युवक ने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि तबीयत खराब होने पर गांव के ही एक झोलाछाप डॉक्टर ने युवक को इंजेक्शन लगाया था, जिससे उसकी हालत और खराब हुई और कुछ देर में उसकी मौत हो गई। सिर्फ बिलासपुर में ही महीनेभर में 4 बच्चों समेत 6 लोगों की मौत हो चुकी है। ताजा मामला मामला रतनपुर के खैरा गांव का है। मृतक का नाम श्रीकुमार आर्मो है जिसे कुमार सिंह राजपूत ने इंजेक्शन लगाई थी। इंजेक्शन के बाद तबीयत ठीक होने का दावा भी किया था, लेकिन युवक की जान नहीं बच सकी।

इंजेक्शन लगाने के बाद पसीना-पसीना हो गया युवक: मृतक श्रीकुमार के चाचा ने बताया कि उसका भतीजा बीमार था। शुक्रवार की सुबह उसकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई। गांव में क्लीनिक चलाने वाले झोलाछाप डॉक्टर कुमार सिंह राजपूत को बुलाया। सुबह करीब 5 बजे वह घर आया उसने जांच के बाद एक इंजेक्शन लगाई। चाचा ने बताया कि इंजेक्शन लगाने के बाद श्रीकुमार की तबीयत और बिगड़ गई वह पसीना-पसीना हो गया। उसकी हालत देखकर परेशान परिजन इलाज के लिए रतनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए, लेकिन युवक ने वहां दम तोड़ दिया।

गांव में हैं दो-दो झोलाछाप डॉक्टर: मृतक के चाचा ने बताया कि झोलाछाप कुमार सिंह राजपूत परसदा का रहने वाला है। खैरा गांव में क्लीनिक चलाता है। वहीं, गांव में एक दूसरा झोलाछाप डॉक्टर भी है।

वन महोत्सव में शामिल हुए स्वास्थ्य मंत्री, दहीमन के पौधे का किया रोपण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। जिले के दौरे में आए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल वन विश्राम गृह में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उसके बाद कलेक्टर कार्यालय में आयोजित वन महोत्सव 2024 में शामिल हुए। इस दौरान प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल दहीमन के पौधे का रोपड़ कर सभी को वृक्ष लगाने की अपील की। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता की प्रतिमा में माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया गया। स्वागत समारोह के बाद जिले के वन मंडलाधिकारी ने वन महोत्सव 2024 की जानकारी देते हुए नवीन पद्धति से किए जा रहे वृक्षारोपण की जानकारी मंच से दी। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल अपने उद्बोधन में एक वृक्ष म के नाम लगाने के अलावा खाली पड़े स्थानों में भी वृक्ष लगाने की अपील की।

स्वास्थ्य मंत्री वर्तमान पर्यावरण को सुदृढ़ करने के लिए कहा कि देश के प्रधानमंत्री मोदी वृक्षारोपण को एक अभियान के रूप में लेकर चल रहे और प्रदेश सरकार छत्तीसगढ़ में हरियाली और क्लाइमेंट चेंज पर काम कर रही है वही जिले के विकास को लेकर नवीन रेल लाइन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल जहां चिरमिरी में बनना है वहीं मेडिकल कॉलेज परसगढ़ी में बनेगा। चिरमिरी और मनेंद्रगढ़ की सड़क चौड़ीकरण होगी। पूरे जिले का विकास बड़ी तेजी से होगा, जो काम कांग्रेस कार्यकाल में रुके थे उन पर भी विष्णुदेव सरकार काम कर रही। कार्यक्रम के अंत में हाथ से निर्मित वन संरक्षण की कलाकृति इंग्लिश स्कूल की बच्चियों ने स्वास्थ्य मंत्री, वन मंडलाधिकारी और कलेक्टर को सौंपी और महतारी वंदन की माताओं को एक एक वृक्ष मंत्री जी ने भेट किया। इस दौरान माननीय मंत्री ,भाजपा के जिलाध्यक्ष, भाजपा पदाधिकारी, जिले के कलेक्टर, वन मंडलाधिकारी, वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी, महतारी वंदन की माताएं, स्कूल की बच्चियां सहित जिला प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस ने 15 करोड़ का नशे का सामान जलवाय

1200 डिग्री टेंपरेचर पर गांजा, टैबलेट्स-इंजेक्शन, अफीम-चरस नष्ट, 5 जिलों से किया था जब्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ पुलिस ने 15 करोड़ का नशे का सामान नष्ट किया है। इसमें करीब 15000 किलो गांजा, 62 हजार टैबलेट्स, इंजेक्शन, 48 किलो अफीम और 400 ग्राम चरस शामिल है। इन्हें सिलतरा के निजी पॉवर प्लांट में 1200 डिग्री टेंपरेचर पर जलाया गया है। नशे का ये सामान 5 जिलों रायपुर, महासमुंद, बलौदाबाजार, गरियाबंद और धमतरी में एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त किया गया था। इन्हें नष्ट करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की मंजूरी से उच्च स्तरीय ड्रग्स डिस्पोजल कमेटी बनाई गई थी।

रायपुर से सबसे ज्यादा चरस और अफीम: रायपुर जिले के 157 मामलों में 2 हजार किलो गांजा, 58 हजार नशीली टैबलेट्स, सिरप, इंजेक्शन, अफीम और 205 ग्राम चरस शामिल था।

महासमुंद से सबसे ज्यादा गांजा: बलौदाबाजार के 24 मामलों में 1000 किलो गांजा, 960 नशीली टैबलेट्स थे। महासमुंद के कुल 121 मामलों में 10 हजार किलो गांजा, धमतरी के 36 प्रकरणों में 412 किलो गांजा और 2451 टैबलेट्स थे। इसके अलावा गरियाबंद के 31 मामलों में 1014 किलो गांजा, 253 नशीली टैबलेट्स थे।

पर्यावरण विभाग से मंजूरी ली: नशे के सामानों को जलाने के लिए पुलिस ने पर्यावरण विभाग से अनुमति ली गई थी। जिससे कि आम लोगों की सेहत को कोई नुकसान न हो। इसके अलावा इन्हें सही तरीके से नष्ट किया जा सके।

महिला से गैंगरेप पर हेडमास्टर सस्पेंड

टीचर ने दोस्तों के साथ वारदात को दिया था अंजाम, जेल जाते ही डीईओ ने की कार्रवाई

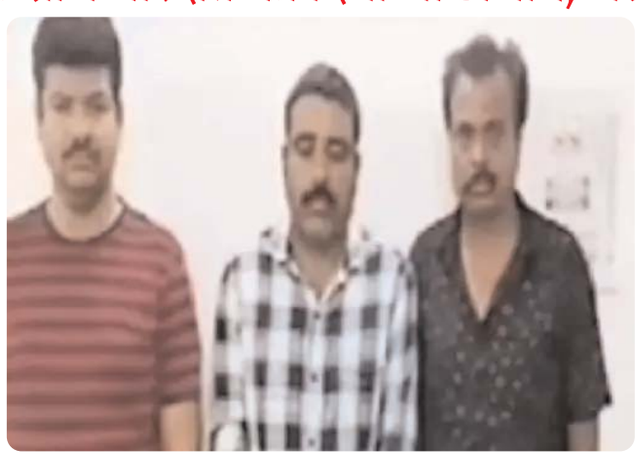

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में महिला से गैंग रेप करने वाले हेडमास्टर को जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) ने सस्पेंड कर दिया है। कुछ दिन पहले ही आरोपी टीचर ने अपने 2 दोस्तों के साथ मिलकर महिला से दुष्कर्म किया था, जिसके बाद पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पूरा मामला मस्तूरी थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, 32 वर्षीय मिला 8 अगस्त की शाम रिस्दा के मुख्य मार्ग पर बस का इंतजार कर रही थी, तभी परिचित के शिक्षक प्रमोद सिंह चंदेल अपने 2 दोस्तों के साथ कार में सवार होकर आया। इस दौरान उसने उसे मायके छोड़ने की बात कहकर कार में बैठा लिया, फिर उसे धान मंडी तरफ सुनसान जगह पर ले गए।

तीनों ने मिलकर किया रेप, पुलिस ने किया अरेस्ट: कार में प्रमोद सिंह के साथ ही अखिलेश सिंह चंदेल और यजवेंद्र सिंह भी मौजूद थे। तीनों ने मिलकर महिला के साथ रेप किया, जिसके बाद उसे छोड़कर भाग गए। पीड़ित महिला दूसरे दिन 9 अगस्त को शिकायत लेकर थाने पहुंच गई। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

अब डीईओ ने हेडमास्टर को किया सस्पेंड: रेप के आरोपी प्रमोद सिंह हेडमास्टर है। उसके जेल जाने की जानकारी मिलने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने शुक्रवार को आदेश जारी कर उसे निलंबित कर दिया है। बता दें कि किसी भी सरकारी कर्मचारी के 24 घंटे से ज्यादा समय तक जेल में रहने पर उसे निलंबित करने का प्रावधान है।

जिले में अब तक 788.6 मिमी औसत वर्षा की गयी दर्ज

एमसीबी निप्र। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 01 जून से 17 अगस्त 2024 तक 788.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 897.3 मिमी मनेन्द्रगढ़ तहसील में तथा न्यूनतम 689.7 मिमी खड़गवां तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील केल्हारी में 893.9 मिमी, तहसील चिरमिरी में 759.3 मिमी, तहसील कोटाडोल में 748.4 मिमी, तहसील भरतपुर में 743.5 मिमी तथा तहसील खड़गवां में 689.7 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

राशन दुकान से 20 हजार किलो चावल गायब, हितग्राही गंदा चावल लेने को मजबूर

लोगों की शिकायत पर जांच में पहुंचे एसडीएम तो चावल की गड़बड़ी का हुआ खुलासा

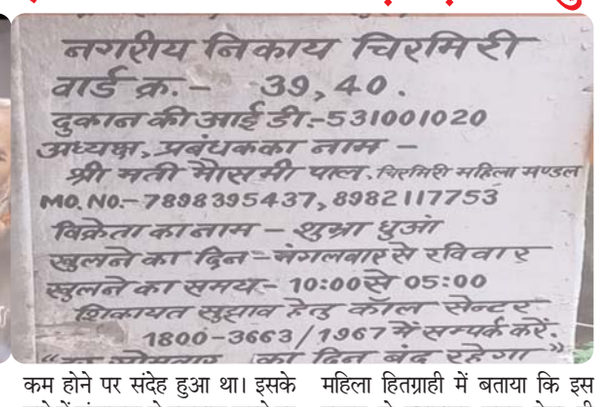

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। नगर पालिक निगम चिरमिरी के एक राशन दुकान से लगभग 20 हज़ार किलो चावल गायब होने कि खबर सामनेआई है। राशन दुकान से लाखों का सरकारी चावल छूमंतर होने की खबर के बाद अब विभागीय अधिकारी भी हरकत में आए हैं। राशन दुकान पर शुक्रवार के दिन एसडीएम विजयेंद्र सारथी चिरमिरी ने कार्यवाही की है। बताया जा रहा है कि एसडीएम लोगों की शिकायत पर जांच करने राशन दुकान में पहुंचे थे।दरअसल क्षेत्र में खाद्यान्न वितरण का बुरा हाल है। यहां सरकारी राशन दुकान से लोग गंदा चावल लेने को मजबूर हैं। आरोप है कि क्षेत्र में सरकारी राशन दुकान के संचालकों द्वारा बड़ी मात्रा में सरकारी चावल वितरण में अनियमितता की जा रही है। मामले का खुलासा तब हुआ जब चिरमिरी के वार्ड क्रमांक 39 और 40 में स्थित सरकारी राशन दुकान के हितग्राहियों ने गंदा चावल मिलने की शिकायत एसडीएम से की। लोगों की शिकायत पर एसडीएम जांच के लिए पहुंचे जहां चावल में गंदगी देखकर संचालक से पूछताछ की गई। मामले में दुकान में चावल की कम मात्रा देखकर संचालक से कारण पूछा गया। तो संचालक द्वारा चावल गोदाम में रखे होने की बात कही गई। मामले में त्वरित रूप से एसडीएम द्वारा गोदाम की जांच करने के बाद चावल गायब होने की बात पता चली। मिली जानकारी के अनुसार कुछ दिनों पहले ही चिरमिरी महिला मंडल द्वारा संचालित उचित मूल्य की राशन दुकान में हितग्राहियों को वितरण के लिए करीब 214 क्विंटल चावल सप्लाई किया गया था। लोगों का कहना है की सप्लाई किए अच्छे चावल को बाजार में बेच दिया गया और खराब चावल लोगों को दिया जा रहा है। बता दें कि दुकान का संचालक चिरमिरी महिला मंडल द्वारा किया जा रहा था जिसकी प्रबंधक मौसमी पाल बताई जा रही है।

20 क्विंटल चावल किया गया जप्त: राशन दुकान में जांच के दौरान एसडीएम चिरमिरी को राशन के स्टॉक कम होने पर संदेह हुआ था। इसके बारे में संचालक से पूछताछ करने पर गोदाम में चावल होने के बाद बताई गई। गोदाम की जांच करने के बाद जब वहां भी चावल नहीं मिला तो संचालक द्वारा लगभग 20 क्विंटल चावल दिखाया गया। जो की प्लास्टिक की बोरियों में भरा था। प्लास्टिक की बोरियों में भरे चावल को एसडीएम के आदेश पर जप्त कर लिया गया है।

स्थानीय ने कहा चावल से आती है बदबू: स्थानीय निवासी महिला हितग्राही में बताया कि इस दुकान से ज्यादातर समय ऐसा ही चावल वितरण किया जाता है। चावल से बदबू आती है नाक बांधकर चावल भरना पड़ता है। चावल में गंदगी होने के बावजूद गरीब इसे खाने को मजबूर हैं। चावल के साथ चने में भी कीड़े लगे हुए होते हैं शक्कर वितरण के लिए भी लोगों को यहां तीन से चार बार घुमाया जाता है।

इस चावल को जानवर भी नहीं खा सकते, भाजपा मंडल अध्यक्ष: राशन दुकान पर कार्यवाही होने के बाद भाजपा चिरमिरी मंडल अध्यक्ष डमरू बेहरा ने कहा कि सरकार चाहे जिसकी भी हो राशन दुकान संचालक वहीं रहते हैं। यह करीब 25 से 30 सालों से बने हुए हैं। राशन दुकान में रखें स्टॉक को सड़ा कर लोगों को दे रहे हैं। मैंने चावल को देखा है उसे जानवर भी नहीं खा सकते। गरीब आदमी इसे लेने के लिए मजबूर है। राशन दुकान संचालक कैसा ग्रुप धंधा चल रहे हैं यह जांच करने का विषय है इस पर खाद्य अधिकारी और स्थानीय प्रशासन 50 बार शिकायत होने के बावजूद भी कार्यवाही नहीं कर रहा है।

नियम अनुसार कार्यवाही होगी एसडीएम: मामले में जांच के दौरान चिरमिरी एसडीएम विजयेंद्र सारथी ने बताया कि लोगों की शिकायत पर वह उचित मूल्य की दुकान में जांच के लिए पहुंचे थे। यहां जांच के दौरान कई गड़बड़ी भारी मात्रा में पाई गई जांच के दौरान राशन दुकान में गड़बड़ी मिली है। जिस पर नियम अनुसार कार्यवाही की जाएगी।

लोहे की रॉड से युवक को मार डाला

सड़क किनारे फेंकी खून से लथपथ लाश, सिर पर गहरे जख्म के मिले निशान

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक व्यक्ति की खून से लहूलुहान लाश मिली है। युवक के सिर के पीछे गहरे चोट के निशान हैं। बताया जा रहा है कि लोहे की युवक को रॉडनुमा चीज से मारा गया है। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। पूरा मामला खुर्सीपार थाना क्षेत्र के सुभाष नगर इलाके का है। खुर्सीपार पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम अनिल शर्मा है। वार्ड 39 खुर्सीपार का रहने वाला था। सूचना मिलते ही खुर्सीपार पुलिस सहित खुद एडिशनल एसपी सिटी सुखनंदन राठौर और छावनी सीएसपी हरीश पाटिल मौके पर पहुंचे। इस दौरान अधिकारियों ने मौके पर जांच पड़ताल की।

झगड़े के बाद मर्डर करने का आरोप: परिजनों ने आरोप लगाया कि रात में उसका किसी से झगड़ा हुआ होगा और उसी ने उसकी हत्या कर दी है। पुलिस का भी यही मानना है कि जिस तरह से मृतक का चप्पल नाली में पड़ा हुआ था। शव सड़क पर पड़ा था। घटना स्थल में काफी अधिक खून बहा है। इससे लगता है कि उसकी हत्या की गई है।

पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी फुटेज: मामले को लेकर पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। जांच के लिए फोरेंसिक टीम भी बुलाई गई है। पुलिस ने कुछ संदेहियों को भी हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।साथ ही पुलिस ने शव परिजनों को दे दिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण पता चल पाएगा।

आदतन शराबी था अनिल: पुलिस के मुताबिक अनिल शर्मा शराब पीने का आदी थी। उसके दो बच्चे हैं। उसकी पत्नी पिछले 10 साल से बच्चों को लेकर अलग रह रही है। परिजनों ने बताया कि गुरुवार सुबह वह घर से निकला था। इसके बाद देर रात सुभाष नगर शराब पीने गया था।

कर्नाटक सीएम के खिलाफ भ्रष्टाचार मामले में केस चलेगा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ जमीन से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में केस चलेगा। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शनिवार (17 अगस्त) को इसकी आधिकारिक अनुमति दे दी है। सिद्धारमैया पर मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण की जमीन के मुआवजे के लिए फर्जी दस्तावेज लगाने का आरोप है। 26 जुलाई को राज्यपाल ने नोटिस जारी कर सीएम से 7 दिन में जवाब मांगा था। 1 अगस्त को कर्नाटक सरकार ने राज्यपाल को नोटिस वापस लेने की सलाह दी और उन पर संवैधानिक शक्तियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। एमयूडीए घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, साले और कुछ अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की गई है। एक्टिविस्ट टी. जे. अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा का आरोप है कि सीएम ने एमयूडीए अधिकारियों के साथ मिलकर महंगी साइट्स को धोखाधड़ी से हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेज लगाए।

हिमाचल में फिर बादल फटा, नेशनल हाईवे बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के रामपुर में शुक्रवार देर रात बादल फट गया। इससे तकलेच-नोगली में 30 मीटर तक की रोड बह गई। मंडी में तेज बारिश के चलते चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे बंद हो गया। उत्तर प्रदेश के कानपुर में गंगा नदी खतरे के निशान से सिर्फ 1 मीटर नीचे बह रही है। इससे निचले इलाकों में पानी भर गया है। करीब 50 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। राजस्थान में भारी बारिश के कारण जैसलमेर में बाढ़ और जलभराव की स्थिति बन गई है। मौसम विभाग ने शनिवार (17 अगस्त) को 21 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। साउथ कश्मीर के पुलवामा में भी शनिवार को बादल फटा। तेज बारिश के कारण यहां बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। कई घरों और निचले इलाकों में पानी भर चुका है। रेवेन्यू डिपार्टमेंट, एसडीआरएफ और पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। हिमाचल प्रदेश में 31 जुलाई की रात कुल्लू, मंडी, शिमला जिलों में बादल फटा था। इसके कारण इन जिलों में 56 से ज्यादा लोग बह गए थे। हादसे में मरने वालों की संख्या 32 हो गई है। शुक्रवार को 4 शव और बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि 14 लोग अभी भी लापता हैं।

नीतीश ने राजगीर खेल परिसर का किया निरीक्षण

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज राजगीर खेल परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इंडोर और आउटडोर स्टेडियम के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्पोर्ट्स एकेडमी सह निर्माणाधीन स्टेडियम का भी जायजा लिया निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बचे हुए निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस खेल अकादमी में विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्यों को पूर्ण करें। यह अकादमी देश के लिए अनोखी और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी। यहां कई खेलों के ट्रेनिंग सेंटर के अलावा विश्व स्तरीय खेल पुस्तकालय भी होगा। इन प्रयासों से राज्य में खेल का वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी साथ ही प्रतिभावान युवाओं को अवसर भी मिलेंगे। उन्होंने कहा कि राजगीर ऐतिहासिक स्थल है। यहां सभी प्रकार की सुविधाओं का इंतजाम किया गया है। बड़ी संख्या में यहां पर्यटक आते हैं। राजगीर अब पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन गया है। वहीं, निरीक्षण के दौरान ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेंद्र कुमार, विधायक कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया, पूर्व विधायक चन्द्रसेन कुमार, पूर्व विधायक ई. सुनील, पूर्व विधान पार्षद राजू यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस. सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, भवन निर्माण विभाग के सचिव सह मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रन शंकरन, पटना प्रमंडल के आयुक्त मयंक बरबरे, पटना प्रक्षेत्र की पुलिस महानिरीक्षक गरिमा मल्लिक, नालंदा के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर, नालंदा के पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा सहित अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे।

स्वीडन अपने ही नागरिकों को देश छोड़ने के पैसे देगा, बड़ों को 80 और बच्चों को 40 हजार मिलेंगे

स्वीडन (एजेंसी)। स्वीडन ने अपने ही देश के नागरिकों को देश छोड़ने के लिए ऑफर दिया है। स्वीडन की इमीग्रेशन मिनस्टिर मारिया माल्मर स्टेनगार्ड ने ये प्रस्ताव पेश कयिा है। स्टेनगार्ड ने कहा कि जिन्हें स्वीडन की संस्कृति पसंद नहीं है या फिर वे लोग जो यहां घुलमिल नहीं पाए हैं वे स्वीडन छोड़ सकते हैं।

यूरोपीयन वेबसाइट द नेशनल्स के मुताबिक स्वीडन में अभी भी देश छोड़ने पर पैसे दिए जाते हैं। पहले विदेश से आकर स्वीडन में बसने वाले नागरिकों पर ही ये नियम लागू होता था, लेकिन नए प्रावधान के तहत जन्मजात नागरिकों पर भी ये नियम लागू होगा।

मौजूदा नियमों के मुताबिक यदि कोई स्वीडिश नागरिक देश छोड़ता है तो उसे 10 हजार स्वीडिश क्रोन (80 हजार रुपए) मिलते हैं। बच्चों को देश छोड़ने पर 40 हजार रुपए मिलते हैं। इसके अलावा उन्हें किराए के पैसे भी मिलते हैं। ये पैसा उन्हें एक बार में ही देश छोड़ने से पहले मिल जाता है।

50 सालों में पहली बार देश छोड़ने वाले लोग बढ़े: नए प्रस्ताव के मुताबिक, अब इसमें देश के सभी नागरकिों को शामिल कयिा जाएगा। देश छोड़कर जाने वालों को और अधिक पैसे देने और इसे बढ़ाकर 14,800 डॉलर (करीब 12 लाख रुपए) करने पर विचार हुआ था, लेकिन इसे खारिज कर दिया गया। सरकार का कहना है कि अगर देश छोड़ने पर पैसे बढ़ाए गए तो इससे संदेश जाएगा कि

स्वीडन लोगों को पसंद नहीं करता।

हैरानी की बात ये है कि स्वीडन में ये प्रस्ताव तब पास हुआ है जब देश छोड़ने वाले लोगों की संख्या बढ़ गई है। स्वीडिश माइग्रेशन एजेंसी के मुताबिक 2024 में स्वीडन में आने वाले लोगों की संख्या कम हो गई है। 50 सालों में ये पहली बार हुआ है।

प्रवासियों की आबादी बढ़ी, मूल आबादी देश छोड़ रही: स्वीडन में भले ही देश छोड़ने वाले लोग बढ़े हों मगर यहां की आबादी बढ़ती जा रही है। दरअसर स्वीडन के मूल वासी अमेरिका जैसे देशों में ठिकाना तलाश रहे हैं। वहीं, प्रवासियों के लिए स्वीडन पसंदीदा जगह बना हुआ है। स्वीडन में प्रवासयिों की संख्या 20 लाख से भी ज्यादा हो गई है, जो स्वीडन की कुल आबादी का पांचवां हस्सिा है। प्रवासियों की बढ़ती आबादी को कंट्रोल करने के लिए सरकार ने कई पाबंदयिां लगा चुकी हैं। स्वीडन में सीरिया, सोमालिया, ईरान और इराक से आए लोगों की आबादी काफी ज्यादा है।

देश में हिंसक घटनाएं बढ़ीं, प्रवासियों पर लग रहे आरोप: हाल के कुछ सालों में स्वीडन में हिंसा की कई घटनाएं दर्ज की गई हैं। पुलिस के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल स्वीडन में कम से कम 348 गोलीबारी की घटनाएं हुईं। इनमें कम से कम 52 लोग मारे गए। हिंसा की इन घटनाओं को प्रवासियों की बढ़ती आबादी से जोड़कर देखा जा रहा है। स्वीडन ने नब्बे के दशक से बड़ी संख्या में प्रवासियों को शरण देता आ रहा है लेकिन अक्टूबर 2022 में उल्फ क्रिस्टर्सन के प्रधानमंत्री बनने के बाद से देश की नीति में बदलाव आया है। दरअसल उनकी सरकार गठबंधन के सहारे चल रही है। इसमें दक्षिणपंथी स्वीडन डेमोक्रेट्स का भी समर्थन हासिल है। ये पार्टी प्रवासी विरोध के नाम पर राजनीति करती है। उनका मानना है कि शरणार्थियों से देश की संस्कृति ही नहीं, अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचता है।

भागलपुर में अगवानी पुल का सुपर स्ट्रक्चर फिर गिरा

भागलपुर (एजेंसी)। भागलपुर में शनिवार सुबह सुल्तानगंज अगवानी गंगा पुल के पिलर 9 का सुपर स्ट्रक्चर गिर गया। गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण ये घटना घटी है। पिलर संख्या 9 और 10 के बीच का स्लैब के सेगमेंट के लिए बना स्ट्रक्चर नदी में समा गया। ये तीसरी बार है, जब इस पुल का सुपर स्ट्रक्चर गिरा है। सुपर स्ट्रक्चर गिरने का वीडियो भी सामने आया है। इस हादसे में किसे के हताहत होने की सूचना नहीं है। बिहार में पिछले 2 साल में 21 पुल गिरे हैं। इनमें 15 से ज्यादा छोटे और पुराने पुल भी हैं। बीते साल 4 जून 2023 को अगवानी की तरफ से पिलर संख्या 9,10, 11, 12 का सुपर स्ट्रक्चर गिर कर गंगा में समा गया था। इससे पहले 30 अप्रैल 2022 के रात में हवा के झोंके से पिलर संख्या पांच गिरा था। इस पुल के निर्माण के लिए 4 जुलाई 2024 तय की गई थी लेकिन अब 2026 कर दी गई है। डिप्टी सीएम और पथ निर्माण मंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि इस तरह की घटनाओं से सरकार की छवि खराब होती है। इस मामले में जिसकी भी लापरवाही होगी, उस पर कार्रवाई की जाएगी। यदि विभाग के इंजीनियर या पदाधिकारी दोषी होंगे, तो उन्हें

भी दंडित किया जाएगा। पुल निर्माण निगम की ओर से कहा गया है कि गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि और तेज बहाव होने के कारण पुल का सुपर स्ट्रक्चर गिर है। निगम ने सफाई दी है कि यह भाग पहले से क्षतिग्रस्त भाग है। जिसे हटाया जाना था। वही हिस्सा गिरा है। निगम ने कहा है कि पिछले हादसे के बाद इस पुल पर कोई काम नहीं हो रहा है। पटना हाई कोर्ट के आदेश पर निर्माण एजेंसी के कॉस्ट पर नये सिरे से इस भाग का काम कराया जाना है। निगम ने आगे कहा है कि नया डिजाइन तैयार होने के प्रोसेस में है।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने 5 संसदीय कमेटियों का गठन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार (17 अगस्त) को साल 2024-25 के लिए 5 नई संसदीय समितियों का गठन किया है। ये समितियां सरकारी खर्चे की जांच करेगी। सभी समितियों के अध्यक्ष और सदस्य भी नियुक्त किए गए हैं। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल को पब्लिक अकाउंट कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया। पीएसी का नेतृत्व आमतौर पर प्रमुख विपक्षी दल के सीनियर लीडर करते हैं। वो लोकसभा या फिर राज्यसभा किसी का भी सदस्य हो सकता है। वेणुगोपाल से पहले कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी पांच साल तक पीएसी के अध्यक्ष रह चुके हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने जिन पांच समितियों का गठन किया है उनमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण कमेटी, पब्लिक अंडर टेकिंग कमेटी, पब्लिक अकाउंट कमेटी , अनुमान कमेटी, अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण संबंधी कमेटी शामिल हैं। 18वीं लोकसभा का पहला मानसून सत्र शुक्रवार (9 अगस्त) को समाप्त हुआ। यह नई लोकसभा का पहला बजट सत्र भी था। यह सत्र 22 जुलाई से शुरू हुआ था। इस सत्र के समापन पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बताया कि, 'पूरे सत्र में कुल 15 बैठकें हुईं, जो लगभग 115 घंटे तक चलीं। उन्होंने यह भी बताया कि सत्र के दौरान सदन की प्रोडक्टिविटी 136त्न रही। इसके अलावा वित्त मंत्री ने 23 जुलाई को सदन में केंद्रीय बजट 2024-2025 पेश किया।

निर्भया की मां का आरोप- दोषियों के खिलाफ कार्रवाई में विफल सीएम ममता घटना से ध्यान भटकाने की कर रही कोशिश

नई दिल्ली। दिल्ली सामूहिक बलात्कार मामले की पीड़िता निर्भया की मां ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या की घटना को लेकर शनिवार को कड़ा आक्रोश व्यक्ति किया और कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इस्तीफा दे देना चाहिए। निर्भया की मां ने आरोप लगाया कि ममता अपने पद का दुरुपयोग कर घटना के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय मुद्दे

से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहीं हैं। उन्होंने जोर देकर कहा है कि जब तक केंद्र और राज्य सरकारें हैवानियत करने वालों को अदालत से तत्काल सजा दिलाने को लेकर गंभीर नहीं होंगी, तब तक आए दिन देश के विभिन्न हिस्सों से इस तरह की बर्बर घटनाएं सामने आती रहेंगी। निर्भया की मां ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की कथित तौर पर बलात्कार के बाद हत्या की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में जब लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं और उनके साथ बर्बर घटना को अंजाम दिया जा सकता है, तो यह समझा जा सकता है कि देश में महिलाओं की सुरक्षा की क्या स्थिति है।

नीतीश कुमार के राज में लगातार पुल गिर रहे-तेजस्वी यादव

पटना, एजेंसी। भागलपुर में सुल्तानगंज-अगुवानी पुल का हिस्सा तीसरी बार गिरने पर पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि पहली बार जब पुल गिरा था तो यह निर्णय हुआ था कि इसको तोड़कर बनाया जाएगा। यह मामला कोर्ट में जाने के बाद तय हुआ कि कंपनी अपने खर्च पर इसे

दोबारा बनाएगी...चाहे पुल हो, पुलिया हो या मेगा पुल हो। तेजस्वी ने कहा कि जब हमारी सरकार थी, तब पुल टूटने के कारणों की जांच के लिए एक कमेटी बनाई गई थी और उसके निष्कर्षों के आधार पर कार्रवाई होनी थी। नीतीश कुमार के राज में पुल और बड़े पुल टूट रहे हैं। इस तरह की कई घटनाएं सामने आ रही हैं, जो भी दोषी है, उस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। कमेटी की रिपोर्ट बहुत महत्वपूर्ण है।

2 अक्टूबर के बाद उपचुनाव हुआ तो जन सुराज पार्टी पूरी तैयारी के साथ लड़ेगी चुनाव, प्रशांत किशोर का बड़ा ऐलान

गया, एजेंसी। बिहार में चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव अभी नहीं होंगे। चुनाव आयोग ने इन सीटों पर बाढ़ के सीजन के बाद उपचुनाव कराने का फैसला लिया है। इसी बीच जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर (पीके) ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि यदि 02 अक्टूबर के बाद गया जिले के इमामगंज और बेलागंज विधानसभा में उपचुनाव होते हैं तो निश्चित तौर पर जन सुराज की पार्टी पूरी तैयारी के साथ चुनाव लड़ेगी। प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि दो अक्टूबर को जन सुराज से जुड़े लोग पार्टी बनाएंगे। उनका नेता कौन होगा।

ग्लोबल साउथ के देशों को एक-दूसरे के साथ खड़ा होना चाहिएः प्रधानमंत्री

नई दिल्ली , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ सम्मेलन विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने का एक मंच बन गया है। उन्होंने नई दिल्ली की मेजबानी में डिजिटल रूप से आयोजित ग्लोबल साउथ सम्मेलन में कहा कि 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ% सम्मेलन एक ऐसा मंच है, जहां हम उन लोगों की जरूरतों, आकांक्षाओं को आवाज देते हैं, जिन्हें अभी तक अनसुना किया गया है।' ग्लोबल साउथ% शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने विकासोन्मुखी दृष्टिकोण से जी 20 को आगे बढ़ाया और इस समूह के हमारे नेतृत्व में हमने 'ग्लोबल साउथ% की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं व प्राथमिकताओं के आधार पर एजेंडा बनाया। मोदी ने 'ग्लोबल साउथ के सामने आ रही चुनौतियों पर कहा, ''अनिश्चितताओं का माहौल है, हम भोजन, स्वास्थ्य, ऊर्जा सुरक्षा की समस्याओं का सामना कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद, उग्रवाद, अलगाववाद हमारे समाज के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं।

दिल्ली में भाजपा की बैठक, शाह-नड्डा मौजूद

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली भाजपा मुख्यालय में शनिवार को पार्टी के राष्ट्रीय और प्रदेश के नेताओं की बैठक हो रही है। इसमें पार्टी अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह शामिल हुए। बैठक में प्रदेश अध्यक्षों, महासचिवों और प्रभारियों को भी बुलाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में पार्टी के सदस्यता अभियान को अंतिम रूप दिया जाएगा। नए पार्टी अध्यक्ष के चुनाव से पहले यह अभियान पूरा किया जाएगा। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों को लेकर भी बातचीत होगी। इसके अलावा पार्टी के नए अध्यक्ष पर भी बैठक में चर्चा होगी। पार्टी में एक व्यक्ति एक पद सिद्धांत के तहत जेपी नड्डा की जगह नया पार्टी अध्यक्ष चुना जाना है। नड्डा अभी केंद्र में स्वास्थ्य मंत्री हैं, ऐसे में उन्हें पार्टी अध्यक्ष का पद छोड़ना पड़ेगा।

भाजपा में शामिल हो सकते हैं झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन

रांची, एजेंसी। राजनीतिक गलियारे में यह अटकलें लगाई जा रही है कि जल संसाधन विभाग और उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री चंपई सोरेन भाजपा में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा घाटशिला सीट से उनके बेटे बाबूलाल सोरेन को भाजपा से टिकट दिलाने की भी चर्चा जोरों पर है। जानकारी के मुताबिक स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरायकेला स्थित भगवान बिरसा मुंडा स्टेडियम से मंत्री चंपई सोरेन ने अपने संबोधन के दौरान एक बार भी हेमंत सोरेन का जिक्र नहीं किया और न ही इस दौरान चंपई सोरेन ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने सिर्फ अपने मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल की उपलब्धियों का बखान किया। वहीं, इससे पहले जब चंपई सोरेन सीएम के पद पर थे तो वह हमेशा अपने संबोधन में हेमंत सोरेन का जिक्र किया करते थे और भाजपा पर भी हमला बोलते थे। बता दें कि जेल से बाहर निकलते ही हेमंत सोरेन द्वारा चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री पद से हटाने के बाद से ही भाजपा के नेता चंपई सोरेन के पक्ष में हैं।

दिल्ली विद्युत बोर्ड के रिटायर्ड कर्मचारियों को केजरीवाल सरकार का तोहफा, मिलेगी कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विद्युत बोर्ड के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अब कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी। दिल्ली की ऊर्जा मंत्री आतिशी ने इसकी घोषणा की है। शुक्रवार को इस सुविधा से संबंधित फाइल पर उन्होंने हस्ताक्षर कर दिए हैं और मंगलवार तक इसके बारे में आधिकारिक अधिसूचना जारी कर

दी जाएगी। इस नई व्यवस्था के तहत सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्वास्थ्य बिल के भुगतान के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। आतिशी ने बताया कि वर्ष 2002 में दिल्ली विद्युत बोर्ड को समाप्त कर दिया गया था। उस समय यह तय हुआ था कि बोर्ड के सभी कर्मचारियों को सुविधाएं दिल्ली सरकार द्वारा दी जाएंगी।

कोलकाता रेप-मर्डर केस, केंद्र बोला- डॉक्टर हड़ताल खत्म करें

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर की घटना के विरोध में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल का शनिवार को 8वां दिन है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने भी 24 घंटे के लिए अस्पतालों में सिर्फ इमरजेंसी सेवाएं चालू रखने की बात कही है। इस बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने डॉक्टर्स से हड़ताल खत्म करने को कहा है। मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा- डॉक्टरों की मांग को लेकर कमेटी बनाई जाएगी। सुरक्षा के लिए

राज्य सरकारों से भी सुझाव मांगे जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय के इस फैसले के पहले आईएमए चीफ ने शनिवार को कहा- इमरजेंसी सेवाएं छोड़कर अस्पतालों में कामकाज बंद है। हमारी मांग है कि डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

हमने ऐसा कुछ नहीं मांगा जो सरकार नहीं कर सकती है। दरअसल, 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या की गई थी।

बीसीसीआई ने ठुकराया आईसीसी का प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की तरफ से दिए गए महिला टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। आईसीसी की मेजबानी पर अंतिम फैसला 20 अगस्त को लेना है। बता दें कि, इस साल बांग्लादेश में 3 से 20 अक्टूबर के बीच महिला टी20 वर्ल्ड कप खेला जाना है। लेकिन, बांग्लादेश में हालात अस्थिर हैं।

बता दें कि, शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद बांग्लादेश में अराजक स्थिति है। ऐसे में भारत को मेजबानी का ऑफर दिया गया था। अब भारत के पीछे हटने के बाद श्रीलंका और यूएई दूसरे विकल्प बचे हैं। श्रीलंका में अक्टूबर में बारिश होती है। इसी वजह से यूएई का रुख किया जा सकता है। हाल ही में श्रीलंका ने महिला एशिया कप की मेजबानी की थी। इस टूर्नामेंट को महिला टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी कर हिस्सा माना गया था। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ बातचीत में कहा कि, उन्होंने हमारे सामने महिला टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी का ऑफर रखा था। लेकिन मैंने साफ तौर पर मना कर दिया। हमारे यहां ये समय मानसून का है और उससे अहम है कि अगले साल हमें ही महिला वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी करनी है। मैं किसी को भी गलत संदेश नहीं देना चाहता कि हम लगातार दो वर्ल्ड कप की मेजबानी करना चाहते हैं।

रिंकू सिंह- संजू सैमसन को नहीं मिला मौका, देखें घरेलू क्रिकेट में आंकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी 2024 अब नए फॉर्मेट में नजर आएगी। जोनल फॉर्मेट में इसका आयोजन नहीं होगा बल्कि, बीसीसीआई की चयन समिति ने बुधवार को 4 टीमों की घोषणा की। 4 टीमों में 61 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। ये चुने गए नाम काफी अहम हैं। दलीप ट्रॉफी भारतीय टेस्ट टीम के चयन का बेस होगा। ऐसे में इन 61 नामों में से ही खिलाड़ियों का चयन होगा। वहीं इन 4 टीमों में दो खिलाड़ियों रिंकू सिंह और संजू सैमसन का चनय न होना हैरानी भरा रहा है। रिंकू सिंह ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 47 मैच की 69 पारी में 54.70 की औसत से 3173 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 7 शतक और 20 अर्धशतक भी लगाए हैं। वह फरवरी 2024 में रणजी ट्रॉफी में आखिरी बार फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेले थे। आंध्र के खिलाफ उत्तर प्रदेश की टीम 198 रन बनाए थे। जबकि इस दौरान रिंकू ने 26 रन ठोके थे। जनवरी 2024 में केरल के खिलाफ भी रिंकू ने बेहतरीन 92 रन की पारी केली थी।

2018-19 रणजी ट्रफी में उन्होंने कई मौकों पर उत्त प्रदेश को जीत दिलाई और 105.88 की औसत से 953 रन बनाए। वहीं संजू के आंकड़ों की बात करें तो वह 2011 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेल रहे हैं। अबतक भारत के लिए एक भी टेस्ट नहीं खेल पाए हैं, दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी के बाद ऋद्धिमान साहा और ऋषभ पंत को तरजीह मिली, लेकिन इस दौरान संजू पर एक बार भी भरोसा नहीं जताया गया।

मोर्नी मोर्केल बने टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच, 1 सितंबर से संभालेंगे कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेदंबाज मोर्नी मोर्केल को टीम इंडिया का नया बॉलिंग कोच बनाया गया है। उनका कॉन्ट्रैक्ट 1 सितंबर से शुरू होगा। जय शाह ने इस बात की जानकारी खुद एक क्रिकेट वेबसाइट को दी है। बता दें कि, गौतम गंभीर ने पहले भी भारतीय क्रिकेट बोर्ड से गेंदबाजी कोच के पद के लिए मोर्कल के नाम पर विचार कनरे का अनुरोध किया था।भारतीय क्रिकेट टीम को आखिरकार अपना गेंदबाजी कोच मिल ही गया। दरअसल, साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेदंबाज मोर्नी मोर्केल को टीम इंडिया का नया बॉलिंग कोच बनाया गया है। उनका कॉन्ट्रैक्ट 1 सितंबर से शुरू होगा। जय शाह ने इस बात की जानकारी खुद एक क्रिकेट वेबसाइट को दी है। बता दें कि, गौतम गंभीर ने पहले भी भारतीय क्रिकेट बोर्ड से गेंदबाजी कोच के पद के लिए मोर्कल के नाम पर विचार कनरे का अनुरोध किया था। मोर्केल ने 2006 से 2018 के बीच 86 टेस्ट, 117 वनडे और 44 टी20 मैच खेले हैं। बता दें कि, गंभीर और मोर्कल दोनों के बीच लखनऊ सुपर जांयट्स में अच्छे संबंध रहे हैं। जहां, गंभीर ने दो साल तक मेंटर के रूप में काम किया।

आईसीसी ने अभी तक अपलोड नहीं की टी20 विश्व कप के न्यूयॉर्क मुकाबलों की पिच रेटिंग

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अभी तक अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए टी20 विश्व कप के दौरान 54 मैच के लिए इस्तेमाल की गई पिच और आउटफील्ड की आधिकारिक रेटिंग की घोषणा नहीं की है जबकि इसे खत्म हुए साढ़े सात हफ्ते हो चुके हैं। वेस्टइंडीज में हुए मैच के बजाय ध्यान न्यूयॉर्क के नासाऊ काउंटी मैदान पर हुए आठ मैच की रेटिंग पर लगा है जिसमें आठ मैच में पहली पारी का औसत स्कोर 107.6 तक रहा जबकि ये 'ड्रॉप इन' पिचें एडीलेड के क्यूरेटर डेमियन ह्यू ने तैयार की थी। आईसीसी वेबसाइट पर पिच और आउटफील्ड के रेटिंग सेक्शन पर 31 मई 2024 से कोई अपडेट नहीं किया गया है। न्यूयॉर्क की पिच और आउटफील्ड पर असमान उछाल और धीमी आउटफील्ड की दुनिया भर में आलोचना हुई थी जिसमें 120 रन तक के स्कोर का पीछा करना मुश्किल हो गया था। यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि पिच और आउटफील्ड रेटिंग अभी तक 46 दिन के बाद भी आईसीसी की वेबसाइट पर अपलोड नहीं की गई हैं जबकि आईसीसी मैच खत्म होने के एक हफ्ते के अंदर पिच का आकलन अपलोड कर देता है जिससे यह विलंब असमान्य बन गया है। न्यूयॉर्क में आठ मैच में मैच रैफरी रंजन मदुगले, डेविड बून, जेफ क्रो और रिकी रिचर्डसन थे।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज का दावा, कहा- जो रूट 3-4 साल में सचिन तेंदुलकर में पीछे छोड़ देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर जो रूट ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट में 12 हजार रन पूरे किए। वह टेस्ट क्रिकेट में वर्तमान ने 7वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में मास्टर ब्लास्ट सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा रन के रिकॉर्ड से मुश्किल से 4 हजार रन पीछे हैं। तेंदुलकर के 15,921 रन हैं। वहीं 33 साल के रूट के 143 टेस्ट की 261 पारी में 12,027 रन हैं। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग का मानना है कि अगर इंग्लैंड साल में 10 से 14 टेस्ट खेलता है तो जो रूट अगले 3-4 साल में तेंदुलकर को पीछे छोड़ देंगे। वह 37 साल की उम्र तक टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। पोंटिंग के 13,378 रन से रूट 1351 रन पीछे हैं। रूट ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। अब वह श्रीलंका के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। इससे पहले पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू पर संजना गणेशन से कहा कि, वह ऐसा कर सकते हैं। वह 33 वर्ष के हैं। 3 हजार से ज्यादा पीछे है। ये इस बात पर निर्भर करता है कि वे कितने टेस्ट मैच खेलते हैं, लेकिन अगर वे साल में 10 से 14 टेस्ट मैच खेल रहे हैं। अगर साल में 800 से 1000 रन बना रहे हैं, तो इसका मतलब है कि उन्हें वहां पहुंचने में केवल तीन या चार साल लगेंगे। अगर उनमें भूख बनी रहती है, तो उशके ऐसा करने की पूरी संभावना है।

पीसीबी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कराची और लाहौर में नयी फ्लड लाइट का उपयोग करेगा

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अगले साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कराची और लाहौर के स्टेडियमों में नयी फ्लडलाइट (दूधिया रोशनी) का उपयोग करेगा। मिली जानकारी के मुताबिक किराये के आधार पर कराची और लाहौर में नए लाइट टावर लगाने के अलावा, पीसीबी व्यस्त घरेलू कार्यक्रम से निपटने के लिए गर्मी के मौसम में रात में मैच खेलने के लिए क्वेटा, एबटाबाद, पेशावर जैसे छोटे स्थानों पर भी फ्लड लाइट लगाने का फैसला किया है। पीसीबी ने लागत बचाने के लिए कराची में पहले से लगी फ्लड लाइट को क्वेटा और लाहौर में लगी फ्लड लाइट को रावलपिंडी में स्थानांतरित करने का फैसला किया है। कराची और लाहौर को नये लाइट टावर मिलेंगे और इस उद्देश्य के लिए पीसीबी ने अगस्त 2024 और जुलाई 2025 की अवधि के लिए किराये के आधार पर लाइट टावर उपलब्ध कराने के लिए योग्य कंपनियों से निविदाएं आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बोर्ड का एक सूत्र इस प्रक्रिया में शामिल सटीक लागत बताने में असमर्थ था, लेकिन कहा कि कुछ टावरों को प्रायोजित किया जाएगा। इस सत्र ने बताया, ''इस प्रक्रिया से हम यह सुनिश्चित करना चाहते है कि घरेलू क्रिकेट के लिए छोटे स्थान भी लाइट टावरों से सुसज्जित हों। कराची, लाहौर और रावलपिंडी जैसे प्रमुख स्थल जहां अधिकांश अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाते है वहां अंतरराष्ट्रीय मानक के मुताबिक टावर लगाए जाएं।'' पीसीबी ने कराची, लाहौर, रावलपिंडी, मुल्तान, फैसलाबाद, एबटाबाद, क्वेटा, पेशावर के साथ अन्य स्थलों के लिए जनरेटर के प्रावधान के लिए निविदाएं भी आमंत्रित की हैं क्योंकि देश लोडशेडिंग (बिजली की कमी के कारण आपूर्ति में कटौती) की समस्या से जूझ रहा है।

हार्दिक पंड्या से लेकर श्रीजेश तक ने दी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामानए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर खेल सितारे भी देशभक्ति के रंग में रंग नजर आ रहे हैं। खिलाड़ी भी अलग-अलग माध्यम से जश्न-ए-आजादी को लेकर अपनी भावनाएं जाहिर कर रहे। सचिन तेंदुलकर से लेकर भारतीय हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश तक ने इस मौके पर देश के लोगों को शुभकामनाएं दी। विराट कोहली, टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने भी स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। सचिन तेंदुलकर ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक्स पर पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि भारत के लिए सिर्फ खिलाड़ी ही नहीं खेलते। हर भारतीय जो ईमानदारी और निष्ठा से अपना काम करता है वह टीम इंडिया के लिए अहम खिलाड़ी है। इसलिए जब आज राष्ट्रगान बजेगा, तो जान लें कि ये आपके लिए है, और मुझे उम्मीद है कि आप भी वैसा ही महसूस करेंगे जैसा मैंने हर बार भारत के लिए खेलने के लिए मैदान में उतरते समय इसे सुनकर किया था।

पेरिस ओलंपिक 2024 पदकवीरों से मिले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेलों के सबसे बड़े महाकुंभ का समापन हुआ। इस ओलंपिक में भारत को महज 6 मेडल मिले, जिनमें 1 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। ओलंपिक्स के लिए भारत का 117 सदस्यीय दल पेरिस गया था। जिसमें से ज्यादातर एथलीट्स स्वदेश लौट आए हैं। वहीं कई खिलाड़ियों सहित भारतीय हॉकी टीम ने भी 15 अगस्त गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। पीएम मोदी को भारतीय खिलाड़ियों ने कई गिफ्ट भी दिए। निशानेबाज मनु भाकर ने पीएम मोदी को पिस्टल दी, तो रेसलर अमन सहरावत और हॉकी टीम ने जर्सी सौंपी। इन जर्सियों पर खिलाड़ियों के हस्ताक्षर थे। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अपनी टीम की ओर से पीएम को हॉकी स्टिक भेंट की। इस दौरान पीएम ने सभी खिलाड़ियों को संबोधित भी किया। हालांकि, कुछ खिलाड़ी अभी स्वदेश नहीं लौटे हैं। जिनमें जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा जर्मनी में है, जहां उनकी सर्जरी होनी है। वहीं रेसलर विनेश फोगाट 17 अगस्त को भआरत लौटेंगी। बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु भी इस इवेंट का हिस्सा नहीं बन पाईं। सिंधु पेरिस ओलंपिक के दौरान राउंड ऑफ 16 में हारकर ऐतिहासिक हैट्रिक बनाने से चूक गईं।

विनेश फोगाट की अर्जी खारिज होने पर बजरंग पूनिया ने साधा निशाना

नई दिल्ली। लंबे इंतजार के बाद विनेश फोगाट और पूरे भारत देश को मायूसी हाथ लगी है। दरअसल, सीएएस ने विनेश फोगाट की अपील को खारिज कर दिया है। बता दें कि, पेरिस ओलंपिक में 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के कारण पहलवान विनेश फोगाट को महिला कुश्ती 50 किग्रा कैटेगरी के फाइनल से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। जिसके बाद उन्होंने कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में सिल्वर मेडल के लिए अपील डाली थी। वहीं अब विनेश के साथी पहलवान बजरंग पूनिया ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर की। जिसमें उन्होंने विनेश को देश का कोहिनूर बताया साथ ही उन्होंने लिखा कि जिनको मेडल चाहिए, 15-15 रुपये में खरीद लेना। बजरंग ने कहा कि, माना पदक छीना गया तुम्हारा इस अंधकार में, हीरे की तरह चमक रही हो आज पूरे संसार में। विश्व विजेता हिन्दुस्तान की आन बान शान, रूस्तम ए हिंद विनेश फोगाट आप देश की कोहिनूर हैं। पूरे विश्व में विनेश फोगाट विनेश फोगाट हो रही हैं। जिनको मेडल चाहिए खरीद लेना 15-15 रुपये में। बजरंग ने ये बात रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह पर निशाना साधाते हुए कही।

विश्व चैम्पियनशिप में भागीदारी पर खतरा, अदालत के आदेश को चुनौती देगा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने शुक्रवार को कहा कि वह दिल्ली उच्च नयायालय के आदेश को चुनौती देगा जिसमें खेल संस्था के कामकाज संभालने के लिए आईओए (भारतीय ओलंपिक संघ) की तदर्थ समिति को बहाल करने का आदेश दिया गया है और उसका कहना है कि इस हस्तक्षेप से भारतीय पहलवानों की आगामी विश्व चैम्पियनशिप में भागीदारी पर खतरा मंडरा सकता है। मौजूदा आदेश डब्ल्यूएफआई के कामकाज पर रोक लगाने और खेल के लिए राष्ट्रीय महासंघ के रूप में कोई भी गतिविधि करने से रोकने की मांग की याचिका पर आया है। शीर्ष पहलवान बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और उनके पति सत्यव्रत कादियान की याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करते हुए न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने कहा कि आईओए समिति का पुनर्गठन कर सकता है। आईओए ने चार अप्रैल को तदर्थ पैनल भंग कर दिया था और यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने डब्ल्यूएफआई के चुनाव कराने के बाद इस साल 13 फरवर के निलंबन हटा दिया था। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने पीटीआई से कहा, ''हम इसे दो न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष ले जायेंगे। आईओए ने अपना तदर्थ पैनल भंग कर दिया था। हम विश्व संचालन संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से भी संपर्क करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी थी कि बाहरी हस्तक्षेप का असर खिलाड़ियों पर पड़ सकता है।'' उन्होंने कहा, ''दो विश्व चैम्पियनशिप होने वाली हैं। भारतीय पहलवानों की भागीदारी खतरे में आ सकती है।'' अंडर-17 विश्व चैम्पियनशिप 19 से 25 अगस्त तक जोर्डन में अम्मान में आयोजित की जायेगी जबकि अंडर-20 विश्व चैम्पियनशिप दो से आठ सितंबर तक स्पेन के पोंटेवेड्रा में होगी। यूडब्ल्यूडब्ल्यू अध्यक्ष नेनाद लालोविच ने 25 अप्रैल को डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष को लिखे पत्र में स्पष्ट किया था कि महासंघ का कामकाज संभाल रहा तदर्थ पैनल उन्हें स्वीकार्य नहीं है।

कोलकाता की घटना के विरोध में हड़ताल पर डॉक्टर

जिला अस्पताल में धरने पर बैठे, नुक्कड़ नाटक किया, बोले- हत्यारों को फांसी दो

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कोलकाता में मेडिकल स्टूडेंट के साथ हुई शर्मनाक घिनौनी घटना के विरोध में डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। लगातार दूसरे दिन शनिवार को भी डॉक्टरों ने अस्पताल परिसर में धरना दिया और काम बंद कर हड़ताल की। इस दौरान एक नुक्कड़ नाटक का भी मंचन किया गया। डॉक्टरों के आंदोलन को आईएमए और मेडिकल सेल्स रिप्रेजेंटेटिव यूनियन ने भी अपना समर्थन दिया।

कोलकाता में एशिया के सबसे पुराने मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी लेडी डॉक्टर के रेप और मर्डर की घिनौनी घटना के विरोध में सतना के डॉक्टरों ने शनिवार को भी विरोध प्रदर्शन किया। सतना जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों के साथ-साथ जिले के कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्रों के स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ डाक्टर भी हड़ताल पर रहे। प्राइवेट प्रैक्टिशनर कई डॉक्टरों ने अपने क्लिनिक भी बंद रखे। अस्पताल और मेडिकल कॉलेज डॉक्टरों की हड़ताल में आईएमए के सदस्य और मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव यूनियन के सदस्य भी शामिल हुए।

अस्पताल कैंपस में किया नुक्कड़ नाटक: डॉक्टरों ने सुबह की पाली में ओपीडी में मरीज देखने के बाद जिला अस्पताल परिसर में धरना दिया। इस दौरान मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टरों ने एक नुक्कड़ नाटक का मंचन कर सुरक्षा और न्याय की गुहार लगाई।

आईएमए ने बुलाई बैठक, कल मौन जुलूस: इस घटना को लेकर देश भर में चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच डॉक्टरों के आंदोलन और सुरक्षा तथा दिवंगत मेडिकल स्टूडेंट के लिए न्याय की मांग को तमाम संगठनों का भी समर्थन मिल रहा है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने शनिवार को एक बैठक बुला कर तमाम सामाजिक-व्यापारिक संगठनों से सहयोग की अपेक्षा की। सभी ने इस लड़ाई में आईएमए के समर्थन का ऐलान किया। बैठक में तय किए गए चरणबद्ध आंदोलन के तहत रविवार को मौन जुलूस निकालने का निर्णय लिया गया है।

खाली पड़े रहे चेम्बर: डॉक्टरों के धरने और हड़ताल के कारण ओपीडी में उनके चेम्बर खाली पड़े रहे। मरीज इधर-उधर भटकते परेशान भी देखे गए। हालांकि सुबह की पाली में डॉक्टरों ने कुछ घंटों तक ओपीडी में मरीज देखे थे और इलाज किया था।

मोबाइल ऐप द्वारा किसान बेच सकेंगे अपनी उपज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कसानों को कृषि उपज विपणन के क्षेत्र में अभिनव कदम उठाते हुए मोबाईल एप के माध्यम से अपनी कृषि उपज का विक्रय अपने घर, खलिहान, गोदाम से कराने की सुविधा प्रदान की गई है। सर्वप्रथम किसान अपने एंड्राइड मोबाईल पर प्ले स्टोर में जाकर मंडी बोर्ड भोपाल का मोबाईल एप डच् थत्ड ळाज्म् ।च्च् डाउनलोड करना होगा तथा एप इंस्टाल कर कृषक पंजीयन पूर्ण करना होगा। फसल विक्रय के समय किसानों को अपनी कृषि उपज के संबंध में मंडी फसल, ग्रेड-किस्म, मात्रा एवं वांछित भाव की जानकारी दर्ज करना होगा।

किसानों द्वारा अंकित की गई समस्त जानकारियां चयनित मंडी के पंजीकृत व्यापारियों को प्राप्त हो जाएगी तथा प्रदर्शित होगी। व्यापारी द्वारा फसल की जानकारी एवं बाजार की स्थिति के अनुसार अपनी दरें ऑनलाईन दर्ज की जाएगीं जिसका किसान को एप में मैसेज प्राप्त होगा। जिसके उपरांत आपसी सहमति के आधार पर चयनित स्थल पर कृषि उपज का तौल कार्य होगा। कृषि उपज का तौल कार्य होने के बाद ऑनलाईन सौदा पत्रक एवं भुगतान पत्रक जारी किया जाएगा और शासन, मंडी बोर्ड के नियमानुसार नगर या बैंक खाते में भुगतान किया जाएगा। इस प्रकार किसान डच् थत्ड ळाज्म् ।च्च् मोबाईल एप के माध्यम से मंडी में आए बिना अपने घर, गोदाम, खलिहान से भी अपनी कृषि उपज का विक्रय कर सकते हैं। इस ऐप किसान प्रदेश की मंडियों में विक्रय की जाने वाली उपजों के दैनिक भाव की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। किसानों से इस एप को अपने एंड्राइड मोबाईल में इंस्टाल कर राज्य शासन एवं मंडी बोर्ड की इस अभिनव पहल का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की गई है।

पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को सहायता देने पीएम विश्वकर्मा योजना

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को सहायता देने के लिये पी.एम. विश्वकर्मा योजना शुरू की गई है। इस योजना में टूल किट खरीदने के लिये 15 हजार रूपये का अनुदान मिलेगा। साथ ही पहली बार में एक लाख और दूसरी बार में 2 लाख रूपये का सस्ता ऋण मिलेगा। प्रारंभिक प्रशिक्षण 5 से 7 दिन का और 15 दिन का एडवांस प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण के दौरान 500 रूपये प्रतिदिन भत्ता भी मिलेगा। प्रशिक्षण के बाद सर्टिफिकेट भी मिलेगा। प्रशिक्षण के लिये हितग्राहियों के चयन की प्रक्रिया जारी है।

योजना के लिये उम्र न्यूनतम 18 वर्ष होना चाहिए। पिछले 5 वर्षों में पीएमईजीपी स्वनिधि एवं मुद्रा योजना के तहत ऋण नहीं लिया हो। सहकारी सेवा में कार्यरत व्यक्ति और उनके परिवार के सदस्य इस योजना के तहत पात्र नहीं होंगे। एक परिवार से एक ही को लाभ मिलेगा। कारीगर बढ़ई, सुनार, गुडिया और खिलौना निर्माता, नाव निर्माता, कुम्हार, नाई, अस्त्रकार, मूर्तिकार (पत्थर तराशने वाला), माला निर्माता (मालाकार), लोहार, मोची / जूता कारीगर, धोबी, हथौड़ा, टूल किट निर्माता, राजमिस्त्री, दजी, ताला बनाने वाला, टोकरी, चटाई, झाडू निर्माता कॉयर बुनकर और मछली पकड़ने का जाल निर्माता शामिल है। योजना के लिये आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता और आधार कार्ड में मोबाईल नम्बर लिंक होना अनिवार्य है।

शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए समग्र एवं आधार से ई-केवायसी आवश्यक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। शासन द्वारा संचालित सभी योजनाओं एवं शासकीय कार्यों का लाभ लेने के लिये सभी खाताधारक, भूमि स्वामियों, प्लॉट-भूखण्ड, मकान मालिकों जिनके नाम खसरा रिकार्ड में दर्ज हैं उन्हें अपने-अपने भू-खण्ड एवं कृषि भूमियों का समग्र आई.डी. एवं आधार कार्ड से ई-केवाईसी कराना आवश्यक है। अगर आप अपनी भूमियों की हेरा-फेरी एवं जमीन संबंधी गड़बड़ियों से बचना चाहते है और अपने भूखण्ड, मकान, दुकान कृषि भूमि को सुरक्षित रखना चाहते हो तो आप सभी अपने नजदीकी सीएससी कंप्यूटर सेंटर पर जाकर अपनी-अपनी कृषि भूमियों, भूखण्डों, प्लाट एवं मकानो की ई-केवाईसी अवश्य करवाएँ और शासन की योजनाओं का लाभ ले सकते हैं और होने वाली धोखाधड़ी तथा असुविधा से बच सकते हैं। ई-केवाईसी के लिए अपने साथ समग्र आई.डी,आधार कार्ड, जन्म तिथि से संबंधित कोई भी दस्तावेज, मोबाईल नम्बर, खसरा नकल साथ में लें जाऐं और शीघ्र अतिशीघ्र केवाईसी करवाएँ।

कैसे करें ई-केवाईसी: मोबाईल तथा कम्प्यूटर से ईकेवाईसी करने के लिएं उंहतंण्हवअण्पद पर लॉगइन करें। इसके पश्चात समग्र पोर्टल पर क्लिक करें। राजस्व महाअभियान अंतर्गत ई-केवाईसी समग्र आईडी प्रविष्टि करें, पंजीकृत मोबाइल से प्राप्त ओटीपी दर्ज करें। इसके बाद भूमि संबंधी जानकारी जैसे जिला, तहसील, ग्राम, खसरा नंबर प्रविष्ट करें तथा नाम सिलेक्ट करें आधार ओटीपी दर्ज करें। इसके बाद आपका ई-केवाईसी हो जायेगा।

स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोह कर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला पंचायत सदस्य एवं शिक्षा समिति के जिला सदस्य संजय सिंह कछवाह ने मझगवा स्थित मार्कण्डेय कंप्यूटर एजुकेशन इंस्टीट्यूट में ध्वजारोहण कर शहीदों को नमन किया और सम्बोधित किया, इस कार्यक्रम के बाद सिंह ग्राम पिण्डरा पहुंचे जहां पिण्डरा चौराहे में शहीदों के सम्मान में स्थापित शहीद स्मारक में पुष्प अर्पण कर माल्यार्पण करते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि दी पिंडरा गांव के बहादुर देश की आजादी के लिऐ 166 लोगो ने अंग्रेजो से लड़ते लड़ते देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर शहीद हो गए थे ऐसे वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की इसके बाद सिंह द्वारा अर्जुनपुर हाई स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में सम्मलित होकर ध्वजारोहण किया, फिर सिंह द्वारा बरौंधा में इसी सत्र से प्रभु दयाल मिश्रा द्वारा संचालित अंग्रेजी माध्यम का विद्यालय पार्थ एजुकेशन कान्वेंट स्कूल बरौंधा में ध्वजारोहण कर आयोजित कार्यक्रमों में सम्मलित हुए, इसके बाद सिंह नकेला हायर सेकेण्डरी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए इसके बाद झरी हायर सेकेण्डरी स्कूल के कार्यक्रम में सम्मलित होकर वहां बच्चो के साथ बैठकर बच्चो भोजन किया स्वतंत्रता दिवस के इस पावन पुनीत एवं राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर सभी ग्रामीण जनो से मिलकर स्वतंत्रा दिवस की शुभकामनाए दी।

युवक की हत्या के आरोप में दो गिरफ्तार

रोड पर पड़ी मिली थी लाश, मृतक की ब्लैकमेलिंग से परेशान थे आरोपी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सभापुर थाना क्षेत्र के सलैया में बावड़ी के पास मृत पड़े मिले युवक की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। हत्या की यह वारदात मृतक की आशिक मिजाजी और ब्लैकमेलिंग की हरकतों से तंग आकर अंजाम दी गई थी।

जानकारी के मुताबिक, बिरसिंहपुर के बंधान टोला वार्ड नंबर 12 निवासी धर्मेंद्र नामदेव उर्फ लाला पिता लालजी नामदेव की हत्या के मामले में सभापुर थाना पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में अनिल कुमार वर्मा पिता भगवानदीन वर्मा (26) निवासी रेहान और राजा भैया वर्मा पिता सौखी लाल वर्मा (29) निवासी रेहान शामिल हैं। दोनों आपस मे रिश्ते में भाई हैं।

टीआई सभापुर रावेंद्र द्विवेदी ने आरोपियों से हुई पूछताछ के आधार पर बताया कि बिरसिंहपुर में श्रृंगार सामग्री की दुकान में काम करने वाली एक लड़की को मृतक पिछले काफी समय से परेशान कर रहा था। वह उसे फोन करता था। मिलने जाता था और धमकियां भी देता था। वह पैसे मांगता था और न देने पर फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी देता था।

मृतक गुरुवार की रात उनके गांव आया था और फोन पर अनाप शनाप बात करते हुए धमका रहा था। ये बातें लड़की के भाइयों ने सुन ली और मृतक के साथ मारपीट की। उसे सिर पर राड मारा और उसकी गर्दन तोड़ दी। मौत हो जाने के बाद उसके शव को सलैया रोड पर बावड़ी के पास फेंक दिया।

टीआई ने बताया कि सलैया रोड पर शव मिलने और उसकी शिनाख्त होने के बाद पुलिस को मृतक के प्रेम प्रसंग के बारे में पता चला था। पुलिस ने उस दिशा में जांच आगे बढ़ाई और लड़की के पिता तथा भाई से पूछताछ की तो पता चला कि धर्मेंद्र की हत्या गुरुवार की रात रेहान में ही कर दी गई थी। बाद में शव को बावड़ी के पास फेंक दिया गया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को शनिवार को अदालत में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

सीवर के गढ्ढे ने ली एक और जान

कांच लोड करते वक्त लोडर का पहिया धंसा, मजदूर की मौत

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना शहर की जनता के लिए मुसीबत का सबब बन चुके सीवर लाइन प्रोजेक्ट के गढ्ढे में एक और जिंदगी समा गई। लोडर वाहन का पहिया धंस जाने से एक और मजदूर की जान चली गई।

जानकारी के मुताबिक, कोलगवां थाना अंतर्गत उंचवा टोला के पास लोडर वाहन में कांच लोड करते वक्त वाहन के पहिए सीवर में धंस जाने से प्रेम सिंह पिता ललित सिंह (19) निवासी जवान सिंह कॉलोनी की मौत हो गई। बताया जाता है कि शुक्रवार की शाम प्रेम सिंह और मोहम्मद इमरान पिता अहमदुल्लाह (28) लोडर वाहन लेकर उंचवा टोला गए थे। यहां सन इंफ्रा कम्पनी से उन्हें लोडर में कांच की प्लेट लोड करनी थी।

कांच की प्लेट्स लोड करने के बाद जब वे उन्हें रस्सी से बांध रहे थे तभी लोडर का पिछला पहिया सीवर लाइन के लिए खोदी गई ट्रेंच में धंस गया। दोनों उन्हें पकड़ने की कोशिश में कांच की प्लेटों के नीचे दब गए।

उनकी चीख सुनकर आसपास के लोग दौड़े और कांच हटा कर उन्हें किसी तरह बाहर निकाला। दोनों को अस्पताल ले जाया लेकिन वहां डॉक्टरों ने प्रेम सिंह को मृत घोषित कर दिया।

बताया जाता है कि जिस जगह यह हादसा हुआ वहां सीवर प्रोजेक्ट की ठेका कंपनी ने खोदाई करने के बाद ट्रेंच को मिट्टी भरकर छोड़ दिया था। बारिश के कारण मिट्टी बैठ गई है। इसी के ऊपर लोडर का पहिया था जो लोडर में वजन बढ़ने के कारण धंस गया।

गौरतलब है कि यहां सड़क के बाजू में कच्ची जमीन होने के बावजूद एनएच के मापदंडों पर बनी सीसी सड़क को ही खोद दिया गया है ताकि सीसी सड़क की तोड़ाई और फिर रिस्टोरेशन की ज्यादा कॉस्ट वसूली जा सके। इसके पहले मारुति नगर में भी एक मजदूर सीवर लाइन के गढ्ढे में दबकर जान गवां चुका है।

रघुबीर मंदिर चित्रकूट में हर्षोल्लासपूर्वक प्रारंभ हुआ श्रावण झूला महोत्सव

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। परमहँस संत श्री रणछोड़दास जी महाराज की जानकीकुण्ड चित्रकूट स्थित तपोस्थली श्री रघुबीर मंदिर ट्रस्ट (बड़ी गुफा) में श्रावण झूला महोत्सव बड़े हर्ष और उल्लास के साथ प्रारंभ हुआ । यह उत्सव प्रतिवर्ष श्रावण शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा पर्यंत आयोजित किया जाता है 7 इस अवसर पर संस्कृत गुरुकुल के छात्रों द्वारा विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक नयनाभिराम झांकियाँ प्रस्तुत की जाती है, जिसमें प्रथम दिन स्वतंत्रता दिवस, सुदामा चरित्र, क्षीर सागर, अयोध्या श्री रामलला, राधाकृष्ण एवं सीता स्वयंवर की झांकियाँ प्रस्तुत की गयी,जिसे दर्शकों ने खूब सराहा । सम्पूर्ण मंदिर परिसर को रौशनी और पुष्पों से सुसज्जित किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण मंत्रमुग्ध कर देने वाला बन गया। इस अवसर पर पारंपरिक झूला गीतों का मधुर गायन देशभर से आए कलाकारों द्वारा युगल सरकार के चरणों किया गया, जिसने श्रद्धालुओं के हृदय को भक्ति-रस से भर दिया। महोत्सव में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, और मंदिर प्रांगण में भक्ति की गंगा बहती रही। ट्रस्टी डॉ.बी.के.जैन एवं शिक्षा समिति की अध्यक्ष उषा जैन ने कलाकारों को सुन्दर प्रस्तुतियों के लिए साधुवाद दिया

20 अगस्त तक ग्राम सभाओं का चरणबद्ध आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। राज्य शासन के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 6 एवं मध्यप्रदेश ग्रामसभा नियम 2001 के तहत प्रदेश भर की ग्राम पंचायतों में 20 अगस्त तक चरणबद्ध तरीके से ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है।

कलेक्टर अनुराग वर्मा ने सतना जिले के ग्रामों में ग्राम सभाएं आयोजित करने के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और सीईओ जनपद पंचायत को निर्देशित किया हैं कि अधिनियम की धारा 6 (1) के उपबंध अनुसार अपने स्तर से प्रत्येक ग्रामसभा के समुचित आयोजन के लिए एक शासकीय कर्मचारी को नोडल अधिकारी बनाकर ग्रामसभा के आयोजन की सूचना ग्राम पंचायत के सूचना पटल, गांव के सहज दृश्य स्थान पर चस्पा कर ग्रामीणों की सूचना के लिए संबंधित ग्राम में डोडी पिटवाकर मुनादी भी कराये। ग्राम सभाओं में नियमित एजेंडा बिंदुओं के साथ स्थानीय कार्य सूची के विषय को शामिल कर ग्राम सभाएं आयोजित की जाये। राज्य स्तर से जारी विभिन्न विभाग पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, ऊर्जा विभाग और मध्यप्रदेश जल निगम के भी एजेंडा बिंदु शामिल किए गए हैं। कलेक्टर ने ग्राम सभाओं की वीडियो रिकॉर्डिंग अवश्य कराने के निर्देश दिए हैं, भले ही वह वीडियो रिकॉर्डिंग मोबाइल के माध्यम से की जाए।

नगर निगम में युवक कांग्रेस का हल्ला बोल

स्टॉपर पर चढ़कर प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए, नकली नोट उड़ाए, पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। स्मार्ट सिटी सतना में बद इन्तजामी और नागरिक सुविधाओं की बदहाली के खिलाफ युवक कांग्रेस ने सतना नगर निगम कार्यालय में जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प-धक्का मुक्की भी हुई। युवक कांग्रेसियों ने हवा में नकली नोट उड़ाते हुए जमकर नारे लगाए और गिरफ्तारी दी। सतना शहर में सड़कों की बदहाली, दूषित पानी की सप्लाई, सीवर लाइन के गढ्ढों, घटिया निर्माण कार्यों और विकास तथा निर्माण के नाम पर भ्रष्टाचार एवं पैसों की बर्बादी के खिलाफ युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार को नगर निगम कार्यालय में हल्ला बोला।

युकां के प्रदर्शन के मद्देनजर नगर निगम कार्यालय में पहले से ही एहतियाती तौर पर भारी पुलिस बल की तैनाती कर रखी गई थी। एसडीएम सिटी नीरज खरे, सीएसपी महेंद्र सिंह, सिटी कोतवाली, कोलगवां और सिविल लाइन के टीआई भारी पुलिस बल के साथ वहां मौजूद रहे। प्रवेश द्वार के पहले ही स्टॉपर लगा कर रास्ता बंद कर दिया गया था। व्यंकट क्रमांक 2 स्कूल के पास सभा करने के बाद युवक कांग्रेस तथा शहर कांग्रेस के नेता-कार्यकर्ता एवं पार्षद नारेबाजी करते-दौड़ते हुए नगर निगम कार्यालय में घुसने लगे। लेकिन वहां तैनात पुलिस कर्मियों ने उन्हें स्टॉपर के पास ही रोक दिया।

प्रदर्शनकारी स्टॉपर पर चढ़ कर नारे लगाने लगे और कूद कर जाने की कोशिश में लग गए। भाजपा, नगर निगम और महापौर के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शनकारी हवा में नकली नोट उड़ाने लगे और शोर गुल करते हुए स्टॉपर पर चढ़ गए। पुलिस कर्मियों ने उन्हें स्टॉपर के ऊपर ही रोका तो दोनों के बीच धक्का मुक्की शुरू हो गई। प्रदर्शनकारियों का ज्ञापन लेने के लिए नगर निगम के ईई आरपी सिंह भी वहां मौजूद थे लेकिन प्रदर्शनकारी कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थे।

हालांकि बाद में उन्होंने ज्ञापन सौंपा और व्यवस्था सुधारने के लिए 2 दिन की मोहलत के साथ और उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी। काफी देर तक चले शोर गुल और धक्का मुक्की के दौर के बाद पुलिस ने 52 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें पुलिस वैन में बैठा कर सेंट्रल जेल ले जाया गया।

युवक कांग्रेस के सतना विधानसभा अध्यक्ष अंकित गुप्ता के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में पूर्व नेता प्रतिपक्ष नगर निगम रामकुमार तिवारी, पूर्व युकांध्यक्ष राजदीप सिंह मोनू, प्रदेश प्रवक्ता रीतेश त्रिपाठी , युकां नेता विक्रांत त्रिपाठी विक्की, पार्षद अशरफ अली बाबा,पंकज कुशवाहा, अमित अवस्थी सन्नू एवं के के तिवारी समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस एवं युकां नेता-कार्यकर्ता शामिल रहे।

सतना जिले में अब तक 494.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिले में इस वर्ष 1 जून से 17 अगस्त 2024 तक 494.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 802.5 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 318.2 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 533.9 मि.मी, बिरसिंहपुर में 529 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 361 मि.मी., नागौद में 545.9 मि.मी., जसो (नागौद) में 239.7 मि.मी. एवं उचेहरा में 623.5 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। गत वर्ष इस अवधि में 399.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

फसल बीमा योजना कराने की अंतिम तिथि 25

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ2024 के फसल बीमा लाभ के लिए शासन द्वारा अधिसूचित क्षेत्र की अधिसूचित फसलों पर ऋणी, अऋणी एवं डिफाल्टर कृषकों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 16 अगस्त से बढ़ाकर 25 अगस्त 2024 निर्धारित की गई हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।